आषाढ़ कृष्ण पक्ष -12, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 13 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए
डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
03 जुलाई 2024 बुधवार

आज का मौसम
27 अधिकतम
23 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

Page- 7

वित्तमंत्री देवड़ा ने विधानसभा में पेश किया 3.65 लाख करोड़ का बजट, नए करों से परहेज

मोहन सरकार का जनता बजट, 11 हजार नए शिक्षक, 7500 पुलिसकर्मी, ई-बसें

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र विधानसभा में आज मप्र की मोहन यादव सरकार ने अपना पहला पूर्ण बजट पेश कर दिया। इसमें पुरानी योजनाओं का भी 'ख्याल' रखा गया है और भरसक नये बोझ से बचने की युक्ति खोजी गई हैं। नया कर नहीं लगाया गया है। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने आज मप्र विधानसभा में मोहन यादव सरकार ने पहला पूर्ण बजट पेश किया। यह बजट 3 लाख 65 हजार 67 करोड़ रुपये का है। विपक्ष के भारी हंगामे के बीच उन्होंने कहा कि कहा कि बजट में 16 प्रतिशत की वृद्धि की गई है तथा हम बाधाओं को पार कर विकास करेंगे। केंद्रीय सहायता के तौर पर प्रदेश को 15000 करोड़ रुपए अधिक मिलेंगे। दूसरी तरफ विपक्ष के हंगामे पर अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि 'आप जिस पर चर्चा की मांग कर रहे हैं, उस पर बाद में बात हो जाएगी। पहले बजट भाषण हो जाए।' लेकिन विपक्षी दल कांग्रेस के सदस्य हंगामा करते रहे। सदन में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने गलत जानकारी देने का मुद्दा उठाया था। इसके बाद यह हंगामा शुरू हो गया। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि मान्य परंपराओं का पालन करें जो विषय उठाया जा चुका है, वह दोबारा नहीं उठाया जा सकता है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि अब नर्सिंग घोटाला मामले पर कोई चर्चा नहीं होगी।

अपने लंबे बजट भाषण में देवड़ा ने कहा कि प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण बिजली देने पर काम हो रहा है। ओंकारेश्वर में 100 मेगावॉट का सोलर प्लांट लगाया गया है। बजट में कृषि को लाभ का क्षेत्र बनाने की योजना है। केन-बेतवा लिंक परियोजना के लिए राशि दी गई है। 48 लाख हेक्टेयर की अतिरिक्त भूमि सिंचित होगी। आगामी 5 साल में एक्सप्रेसवे नेटवर्क के माध्यम से अटल प्रगति पथ, नर्मदा प्रगति पथ, विंध्य एक्सप्रेसवे, मालवा निर्माण एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड विकास पथ और मध्य भारत विकास पथ के कार्य किए जाएंगे। इन मार्गों के दोनों और औद्योगिक गलियारा विकसित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अभी तक 70 लाख 860293 घरेलू नल कनेक्शन दिए जा चुके हैं। जल जीवन मिशन के माध्यम से हर घर नल से जल उपलब्ध कराया जाएगा। सभी गैर कृषि उपभोक्ताओं को 24 घंटे तथा कृषि उपभोक्ताओं को औसतन प्रतिदिन 10 घंटे विद्युत प्रदाय की जाएगी।

'अच्छी चल रही सरकार, बजट सर्वस्पर्शी'

बजट पेश करने से पहले डिप्टी सीएम और वित्त विभाग संभाल रहे जगदीश देवड़ा ने संकेत दे दिया था कि बजट में राहतों की भरपूर्ण कोशिशें हैं उन्होंने कहा बजट जनता का, जनता के लिए और जनता को समर्पित होगा। मुख्यमंत्री की नेतृत्व में मध्यप्रदेश की सरकार अच्छी चल रही है   बजट सर्वस्पर्शी है और जनता का बजट है।

बजट के खास प्रावधान

- **लाडली लक्ष्मी और लाडली बहना योजना के लिए 26560 करोड़ रुपए का प्रावधान**
- **शिक्षा के लिए 22600 करोड़**
- **खेल विभाग के लिए 586 करोड़**
- **बजट में कोई नया टैक्स नहीं है.**
- **गृह विभाग के लिए 11 हजार 292 करोड़ का प्रावधान**
- **स्वास्थ्य के क्षेत्र के लिए 21 हजार 144 करोड़ रुपए.**
- **नर्मदापुरम, शहडोल, बालाघाट, सागर और मुरैना में आयुर्वेद अस्पताल खुलेंगे.**
- **सूबे में सरकारी भर्ती परीक्षाओं के फीस कम की जाएगी.**
- **नीमच, सिवनी और मंदसौर में इसी साल मेडिकल कॉलेज खुलेंगे।**

22 नए आईटीआई कॉलेज शुरू होंगे

मोहन सरकार ने गृह विभाग के लिए 11,292 करोड़, पुलिस आवास योजना के लिए 367 करोड़ और पुलिस विभाग में 7500 पदों पर भर्ती होने की बात कही। वहीं पांच जिलों में आयुर्वेद अस्पताल खोलने की घोषणा की है। साथ ही प्रदेश में 22 नए आईटीआई कॉलेज शुरू किए जाएंगे। 5000 से ज्यादा सीटें बढ़ेगी। इसके अलावा मप्र में तीन नये मेडिकल कालेज और पुलिस में 7500 भर्तियां भी करने का ऐलान किया गया है।

तीर्थ दर्शन के लिए 50 करोड़ रुपए

वित्तमंत्री ने बजट भाषण में कहा कि प्रदेश में सरकारी कर्मचारियों के रिटायर होने के बाद भविष्य निधि तुरंत मिलेगी। इसके साथ ही 50 करोड़ रुपये तीर्थ दर्शन योजना के लिए दिए जाएंगे। 4725 करोड़ रुपये का प्रावधान वन और पर्यावरण के लिए किया गया है।

सिंहस्थ के लिए उज्जैन में सड़कें

सिंहस्थ 2028 के लिए उज्जैन शहर में बाइपास तथा शहर में सभी मार्गों को फोरलेन और 8 लेन की सड़क प्रस्तावित है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत 2000 किलोमीटर सड़क का नवीनीकरण करने का लक्ष्य रखा गया है। सड़क एवं पुल के निर्माण व संधारण के लिए बजट 10000 करोड रुपए प्रस्तावित किया गया है।

विपक्ष के विधायकों के माइक बंद!

सदन में हंगामा कर रहे विपक्ष के विधायकों के माइक बंद किए गए। नेता प्रतिपक्ष बोले बजट के बीच माइक बंद करना सरकार की मनमानी है।

सर्वाधिक बिजली आपूर्ति का रेकार्ड

देवडा ने दावा किया कि प्रदेश में 26 जनवरी 2024 को सर्वाधिक 17614 मेगावाट बिजली की आपूर्ति की गई। वर्ष 2024-25 में ऊर्जा क्षेत्र के लिए 19406 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है, जो 2023 24 की तुलना में 1046 करोड़ रुपये अधिक है। इसके पहले मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक में वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा के भाषण अनुमोदन हुआ। इसके बाद कैबिनेट में बजट को मंजूरी दी गई। बजट में पेयजल व्यवस्था के लिए 10279 करोड़ रुपये का प्रावधान हुआ।

किसानों को लोन के लिए 600 करोड़ का प्रावधान

प्राकृतिक आपदा से होने वाली नुकसान की भरपाई के लिए 2000 करोड़ रुपए रखे गए हैं फसल विविधीकरण योजना के लिए 20 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। 0त्न पर किसानों को ऋण उपलब्ध कराने के लिए 600 करोड़ रुपए का प्रावधान रखा है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना में निशुल्क खाद्यान्न आगे भी जारी रहेगा। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना मैं शामिल होने से वंचित हितग्राहियों को शामिल करने के लिए राज्य सरकार की योजना के लिए 520 करोड़ रुपए रखे गए हैं। किसानों को 23 हजार करोड़ रुपए के फसल ऋण वितरण का लक्ष्य रखा गया है। गौशालाओं में पशु आहार उपलब्ध कराने के लिए 250 करोड़ रुपए रखे गए हैं। प्रतिदिन अब 20 के स्थान पर 40 रुपये व्यय किए जाएंगे। वर्ष 2024-25 को गो वंश रक्षा वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है।

हवाई सुविधा और सुगम

बजट में रामपथ और कृष्ण पथ के विकास का प्रावधान है। संस्कृति विभाग के लिये 1 हजार 81 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तावित , जो वर्ष 2023-24 के व्यय से ढाई गुना ज्यादा है। देवडा ने कहा प्रदेश में 11 करोड़ पर्यटकों का आगमन हुआ, जो कि एक कीर्तिमान है। साथ ही प्रसिद्ध पर्यटन स्थशलों तक हवाई सुविधा को और अधिक सुलभ बनाने हेतु पीएमश्री हेली एवं वायु पर्यटन सेवा प्रारंभ की गई है।

6 शहरों में चलेगी इलेक्ट्रिक बसें

मोहन सरकार ने स्वच्छ भारत मिशन के लिए 500 करोड़ के बजट का प्रावधान किया है। वहीं सिंचाई योजनाओं के लिए 300 करोड़ के बजट का प्रावधान किया है। साथ ही पीएम ई बस योजना के तहत 6 शहरों में इलेक्ट्रिक बसें चलेगी। जिनमें भोपाल इंदौर ग्वालियर जबलपुर उज्जैन, सागर शामिल है।

रिटायरमेंट के साथ ही मिलेगी भविष्यनिधि

वित्तमंत्री ने बजट भाषण में कहा कि प्रदेश में सरकारी कर्मचारियों के रिटायर होने के बाद भविष्य निधि तुरंत मिलेगी। 4725 करोड़ रुपये का प्रावधान वन और पर्यावरण के लिए किया गया है।

- **अनुसंधान केन्द्र :** उज्जैन में चना और ग्वालियर में सरसों अनुसंधान केंद्र की स्थापना होगी। अनुसूचित जाति जनजाति के एक हेक्टेयर तक के भूमि धारकों को 5 हॉर्स पावर तक के विद्युत पंप पर निशुल्क विद्युत आपूर्ति। अटल कृषि ज्योति योजना अंतर्गत 10 हॉर्स पावर तक के किसानों को ऊर्जा प्रभार में सब्सिडी दी जा रही है। इसके लिए 11065 करोड़ रुपए का प्रावधान रखा है।
- **जनवरी में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का** आयोजन होगा। मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना को और प्रभावी बनाया जाएगा। उद्योग क्षेत्र के लिए 4190 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। ग्रामीण विकास के लिए 27870 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है। हर साल जल गंगा संवर्धन अभियान जैसी गतिविधियां संचालित की जाएगी। स्वच्छ भारत मिशन योजना के लिए 500 करोड़ रुपए रखे गए हैं।

राज्यसभा में मोदी के जवाब पर विपक्ष का वॉकआउट

नई दिल्ली , एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नेआज राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा का जवाब दिया। उन्होंने यहां भी विपक्ष को निशाने पर लिया व कहा कि जनता ने हमें तीसरी बार सेवा का अवसर दिया है। हालांकि जनादेश कुछ लोगों को समझ नहीं आया। भ्रम की राजनीति को जनता ने ठुकराया है। 10 साल के बाद किसी एक सरकार की लगातार फिर से वापसी हुई है और मैं जानता हूं कि भारत के लोकतंत्र में 6 दशक बाद हुई ये असामान्य घटना है। कुछ लोग जानबूझकर इससे अपना मुंह फेर कर बैठे रहे, कुछ लोगों को समझ नहीं आया और विपक्ष के पास नारेबाजी हो हल्ला करने और मैदान छोडकर भाग जाने का ही काम बचा है।

मेट्रो एंकर

पुलिस कर रही छापेमारी, हालांकि दर्ज नहीं की एफआईआर

हाथरस कांड : मृतकों की संख्या 121 पर, बाबा फरार

हाथरस एजेंसी।

उत्तर प्रदेश के हाथरस में कल शाम नारायण साकार विश्व हरि (भोले बाबा) के सत्संग के दौरान मची भगदड़ में मरने वालों की संख्या 121 पर पहुंच गई हैं। इनमें 108 से अधिक महिलाएं शामिल हैं। पुलिस के केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाथरस के सरकारी अस्पताल में भगदड़ की घटना में घायल हुए लोगों से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। उधर पुलिस ने नारायण साकार विश्व हरि (भोले बाबा) के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं की है लेकिन उसकी तलाश लगातार जारी है। छापेमारे जा रहे हैं। एसडीएम ने डीएम को रिपोर्ट सौंप दी है। इसके अनुसार बाबा की सिक्योरिटी ने धक्का मुक्की की थी। इस कारण भगदड़ मची।

इधर हाथरस हादसे पर समाजवादी पार्टी सांसद अखिलेश यादव ने कहा, यह दर्दनाक हादसा है, और यह सरकार की लापरवाही है। ऐसा नहीं है कि सरकार को इस कार्यक्रम की जानकारी न हो। अस्पताल में भी पर्याप्त इलाज नहीं मिल पाया। ना ऑक्सीजन, ना दवाई मिली। इसकी ज़िम्मेदार भाजपा है।

हाथरस का असर धीरेंद्र शास्त्री पर

इधर हाथरस कांड के बाद मप्र के टीकमगढ में बागेश्वर धाम सरकार पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने एक वीडियो जारी कर कल 4 जुलाई को अपने जन्मदिन पर श्रद्धालुओं से बागेश्वर धाम नहीं आने की अपील की है। उल्लेखनीय है कि प्रमुख आयोजनों के अवसर पर बागेश्वर धाम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। माना जा रहा है कि यहां हाथरस जैसा हादसा यहां न हो जाए, इस कारण ऐहतियात बरता जा रहा है।

मोबाइल सुपुर्द किए

भोपाल पुलिस की साइबर ब्रांच की लॉस्ट सेल फोन यूनिट ने गुम या चोरी हुए 300 मोबाइल फोन पिछले दिनों बरामद किए हैं। इन्हें पुलिस आयुक्त हरिनारायणाचारी मिश्र द्वारा आज आवेदकों के सुपुर्द किया गया। **फोटो निर्मल व्यास**

गंदे पानी से रहवासी परेशान

भोपाल। नगर निगम वार्ड नंबर 72 के शबरी नगर रासला खेड़ी माली खेड़ी में 15 दिनों से गंदा पानी आ रहा है जिसके कारण निवासी व बच्चे परेशान हो रहे हैं और बीमारियां फैलती जा रही है नगर निगम की लापरवाही के कारण इस मौके पर पन्ना रैकवार ने बताया कि यहां पर विगत कई दिनों से गंदा पानी आ रहा है अभी 17 तारीख को कई घरों में मांस के टुकड़े भी निकले पानी में हमने पार्षद को भी बुलाया उसको भी बताया तो कोई सुनवाई नहीं हुई और नगर निगम अधिकारियों से फोन पर बात कर रहे हैं बस आश्वासन दे रहे हैं बस होगा।

बालिका गृह की 4 बच्चियों के गायब होने का मामला

मानव अधिकार आयोग ने दिए कलेक्टर को जांच के निर्देश, बाल आयोग ने किया निरीक्षण

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी भोपाल के कमला नगर क्षेत्र स्थित नेहरु नगर बालिका गृह से चार नाबालिग लड़कियां गायब होने के मामले में मप्र मानव अधिकार आयोग ने संज्ञान लिया है। इसके साथ ही मामले में बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने भी संज्ञान लेते हुए बालिका गृह का निरीक्षण किया है और व्यवस्थाओं को दुरूस्त करने के निर्देश दिए हैं। वहीं मानव अधिकार आयोग ने मामले में कलेक्टर और महिला एवं बाल विकास अधिकारी को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही नेहरू नगर बालिका गृह से गायब चार लड़कियों के संबंध में प्रबन्धन की उपेक्षा, सुरक्षा व्यवस्था मे त्रुटि आदि के संबंध में स्पष्ट तथ्यात्मक प्रतिवेदन तीन सप्ताह में मांगा है। उल्लेखनीय है कि कमला नगर इलाके के नेहरू नगर बालिका गृह से चार नाबालिग लड़कियों के लापता होने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार बालिका गृह के पीछे की तरफ वाले कमरे की खिड़की टूटी हुई पाई गई है। बच्चियां खुद से भागीं है या उनका अपहरण हुआ है, इस संबंध में कमला नगर पुलिस जांच में जुटी है।

बाल आयोग की टीम ने की बच्चियों से चर्चा

मप्र बाल अधिकार संरक्षण आयोग की टीम ने भी मंगलवार को बालिका गृह में निरीक्षण के लिए पहुंची। इस दौरान टीम ने यहां रह रही बच्चियों से बात भी की। जानकारी के अनुसार, जांच के दौरान बच्चियों ने टीम को बताया है कि बच्चियां वहां से भागी हैं, लेकिन कब और क्यों भागी यह बात सामने नहीं आई है। निरीक्षण के दौरान स्टाफ की कमी की बात सामने आई है। वहीं बाथरूम में कुट दरवाजों के सुधार के लिए प्रस्ताव भेजा गया है। इसके साथ ही दीवार की उंचाई बढ़ाने की भी बात कही है।

पांच सदस्यीय टीम का गठन

मामले की शिकायत पुलिस थाने में भी दर्ज की गई है। जिसके बाद कमला नगर पुलिस एक्शन मोड में आ गई है। पुलिस ने बच्चियों को ढूंढने के लिए के लिए पांच सदस्यीय टीम का गठन किया है। इसके साथ पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज की मदद सबूत तलाशने में जुट गई है। वहीं गायब हुई ल?कियों के रिश्तेदारों से भी संपर्क साधा जा रहा है।

भारत के पास लिखित और मौखिक ज्ञान का अपार भंडार: प्रो. बाजपेई

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी स्थित मप्र भोज मुक्त विश्वविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित दो दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन हुआ। भारतीय ज्ञान परंपरा राजनीति शास्त्र और राजनीतिक चिंतन विषय पर आयोजित कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. ए.डी.एन. बाजपेयी, कुलपति, अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर, विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. चांद किरण सलूजा, संस्कृत संवर्धन प्रतिष्ठान, नई दिल्ली एवं प्रो. सुषमा यादव, सम-कुलपति, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ उपस्थित रहे। कार्यशाला की अध्यक्षता कुलगुरु प्रो. संजय तिवारी द्वारा की गई। प्रो. ए.डी.एन. बाजपेयी ने कहा कि हमको राष्ट्रवादी शिक्षा नीति मिली है। यह शिक्षा नीति राष्ट्र उपयोगी एवं समाज उपयोगी, नागरिकों का निर्माण करने का उद्देश्य रखती है। इसका उद्देश्य विश्व स्तर पर शिक्षा के क्षेत्र में भारत को सुपर पावर बनाना है। भारत के पास लिखित और मौखिक ज्ञान का अपार भंडार है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में इसके ऊपर राख की परत जम गई है। जिसे हमें साफ करने की आवश्यकता है। हमें अपनी भाषा में अपनी बात लिखने की आदत डालनी चाहिए।

परिवर्तन एकदम से होना आसान नहीं है:डॉ. सुषमा यादव: डॉ. सुषमा यादव, सम-कुलपति, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ ने कहा कि, वर्षों से जो हम पत्ते आए हैं, वह हममे रच बस गया है। इसलिए यह परिवर्तन एकदम से होना आसान नहीं है। राष्ट्र की बात ऋग्वेद में मिलती है। चाणक्य ने हमें राजनीतिक अर्थतंत्र का सिद्धांत दिया है। उन्होंने कहा कि, इन विषयों को हमें भारतीय दृष्टिकोण से देखना होगा। भारत हजारों वर्षों की सभ्यता है। हमें युवाओं को राष्ट्र के प्रति गौरव का बोध दिलाने वाली शिक्षा देना होगा।

हमारे छात्र ही हमारा अंतिम लक्ष्य हैं: प्रो. संजय तिवारी: मप्र भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय तिवारी ने कहा कि, भारतीय ज्ञान परंपरा का उपयोग हमें युवा पीढ़ी के लिए करना है। हमें इस बात का पता लगाना होगा कि, वे कौन से गुण थे, जिससे भारत को प्राचीन काल में विश्व गुरु कहा जाता था।

सभी सिद्धांत अनुभव से ही सीखे जाते हैं-डॉ. चाँद किरण सलूजा

डॉ. चाँद किरण सलूजा ने कहा कि, भारतीय भाषा में पुस्तकों को लिखा जाना चाहिए। विद्यार्थी अनुभव से सीखता हैं और सभी सिद्धांत अनुभव से ही सीखे जाते हैं। राजनीतिक सिद्धांत लोक अनुभव पर आधारित होता है। ज्ञान आज का हो या प्राचीन हो मनुष्य के अनुभव समान होते हैं। भारत के वेद और उपनिषदों में राजनीति के कई सिद्धांत समाहित हैं।

'इच्छाशक्ति और दृढ़ संकल्प से कोई कार्य असंभव नहीं'

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस के अवसर पर कोलार रोड के स्वर्ण जयंती पार्क में गुरु अग्रवाल ने योग शिविर के दौरान साधकों को इसके दुष्प्रभावों के बारे में बताया। उनओंने कहा कि अधिक से अधिक कप?ो के थैले या बैग का उपयोग एवं प्लास्टिक बैग को ना का संकल्प ही इस

प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस

समस्या का सरल उपाय होगा ।

ज्ञात हो कि प्लास्टिक बैग के बजाय पेपर बैग या कपड़े के बैग जैसे पर्यावरण के अनुकूल वस्तुओं के उपयोग को बढ़ावा देने और एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक बैग से छुटकारा पाने के लिए 3 जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस के रूप में मनाया जाता है। अग्रवाल ने कहा कि आधुनिक समाज में प्लास्टिक मानव-शत्रु के रूप में उभर रहा है। प्लास्टिक से छुटकारा पाना अत्यंत कठिन है। प्लास्टिक जनित प्रदूषण को रोकने के लिए केंद्र सरकार सहित विभिन्न राज्य सरकारें भी प्रयासरत् हैं और कई राज्यों में अधिनियम बनाए जा चुके हैं ये अधिनियम मुख्यतः पॉलीथिन व प्लास्टिक की थैलियों का उत्पादन करने वाले निर्माताओं पर लागू होते हैं। मगर तमाक कानूनों को सख्ती से लागू करने की जरूरत है।

रोटरी क्लब का नया कार्यकाल रक्तदान अभियान के साथ शुरू

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

रोटरी इंटरनेशनल के तहत सभी रोटरी क्लबों का कार्यकाल 1 जुलाई से 30 जून तक रहता है। इस बार मंडल अध्यक्ष रोटेरियन अनीश मलिक की पहल पर रोटरी मंडल - जिसमें लगभग एक तिहाई मप्र और गुजरात का कुछ हिस्सा शामिल हैं, में नया कार्यकाल रक्तदान अभियान के साथ शुरू हुआ। भोपाल के रोटरी क्लब, समूह बनाकर शहर के अलग-अलग हिस्सों में रक्तदान शिविर आयोजित किया रोटरी क्लब ईस्ट भोपाल, रोटरी क्लब भोपाल हिल्स और रोटरी क्लब भोज भोपाल का संयुक्त रक्तदान शिविर मीनाल रेसीडेंसी, जेके रोड, गोविंदपुरा स्थित सर्वधर्म मंदिर में रक्तदान कर शिविर को सफल बनाया।

अमरनाथ रवाना हुआ 128 भक्तों का पांचवा जत्था

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी से 128 शिव भक्तों का पांचवा जत्था सुबह श्रीमाता वैष्णोदेवी कटरा एक्सप्रेस से रवाना हुआ। इस जत्थे में सबसे बुजुर्ग भक्त अंबाई निवासी 69 वर्षीय प्रभु दयाल पटेल एवम उनकी पत्नी 67 वर्षीय पुनिया बाई शामिल है । सबसे छोटा 13 वर्षीय बालक त्रिशांत भी यात्रा में शामिल है । ओम शिव शक्ति सेवा मंडल रभोपाल के सचिव रिंकू भटेजा ने बताया किमंडल सदस्यों द्वारा जत्थे की बिदाई फूल माला पहनाकर भोलेनाथ के जयकारे लगाते हुए की गई । इस जत्थे में छान गांव ,मिसरोद ,अब्दुल्लागंज,अमराई के आस पास के ग्रामीण क्षेत्रों के भक्त शामिल है । यात्रा का नेतृत्व प्रदीप पटेल

एवम पांडु दयाल यादव द्वारा किया जाएगा ।बिदाई देने बालों में रिंकू भटेजा , सचिन सेवारामानी , गुड्डू अग्रवाल सहित अनेकों मंडल सदस्य उपस्थित थे।

अंधविश्वासों के खिलाफ लड़ाई जरूरी:हरदेनिया

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राष्ट्रीय सेक्युलर मंच ने हाथरस की घटना पर शोक व्यक्त करते हुए कुछ सवाल भी उठाये हैं। मंच के संयोजक लज्जाशंकर हरदेनिया ने कहा कि उत्तरप्रदेश में 136 अकाल मौतें अत्यधिक दुखद हैं। ये मौतें अंधविश्वास की परिणाम हैं। भीड़ बाबा के संपर्क में आने का प्रयास कर रही थी। उनका विश्वास था कि यदि उनसे संपर्क प्राप्त कर लिया जाता है तो उनकी किसी भी प्रकार की मंशा पूरी हो जाएगी। यह विश्वास पूर्ण रूप से अविश्वास से भरपूर है। हरदेनिया ने कहा कि संविधान में इस बात पर जोर दिया गया है कि हम वैज्ञानिक समझ पैदा करें। नागरिकों के कर्तव्यों में भी इस बात का उल्लेख किया गया है, परंतु हमारी सरकार संविधान के उन प्रावधानों पर उचित कदम उठाने के स्थान पर यूनिफॉर्म सिविल कोड की आवश्यकता महसूस कर रही है। यह मेरी नजर में उचित नहीं है। सर्वप्रथम प्राथमिकता पर अंधविश्वास के खिलाफ लड़ाई लड़ी जानी चाहिए।

मेट्रो एंकर | गांधीनगर की पहचान बनी गंदगी, बदहाल सड़कें

नगर निगम की सूची में पहला वार्ड विकास में फिसड्डी

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नाम से बसे गांधीनगर से नगर निगम के वार्डों की शुरूआत होती है, जो निगम के विकास के दावों की गवाही देने वाला है। साफ-सफाई व्यवस्था हासिए पर है। बदहाल सड़कें बदहाल हैं। रहवासियों का मानना है कि विरोधी दल का पार्षद होने की सजा वार्ड को मिल रही है।

गांधीनगर बेहद अहम इलाका है। विमानतल होने से राजधानी आने वाले व्हीआइपी लोगों का सफर इसी इलाके से ही शुरू होता है। वह तो गनीमत है वह गांधीनगर के बाहर से गुजर जाते हैं यदि गांधीनगर के अंदर से गुजरते तो सफाई में नंबर वन कैसे होगा भोपाल जरूर पूछते। गांधीनगर में साफ-सफाई की व्यवस्था चौपट है। जगह-जगह कचरे के ढेर लगे हुए है और सुअरों का ढेरा है।

बस स्टैंड कचरा घर बना

डेढ़ करोड़ की लागत से बने बस स्टैंड को दो साल से उद्घाटन को इंतजार है। बस स्टैंड पर जगह-जगह कचरे के ढेर लगे हुए हैं। नियमित सफाई न होने से लोग कहने लगे है बस स्टैंड नहीं कचरा घर कहिए। लोगों का कहना है कि वार्ड से कांग्रेसी पार्षद चुने गए हैं, इसलिए उनकी भी सुनवाई नहीं हो रही है। सौतेला व्यवहार वार्ड के साथ किया जा रहा है। पार्षद से कहा, तो कहते हैं महापौर को बता चुके हैं। कमिश्नर को बता चुके हैं।

नहीं सुनते अधिकारी

गांधीनगर पंचायत ने वार्ड की बदहाली पर चिंता जताई है। पंचायत पदाधिकारियों का कहना है कि कई बार हमने भी साफ-सफाई, सड़क और स्ट्रीट लाइट के मुद्दे जिम्मेदारों के सामने उठाए हैं। लेकिन समस्या खत्म होने का नाम नहीं ले रहे हैं। पंचायत के रमेश हिंगोरानी का कहना है सफाई और सड़कों को लेकर तो अफसरों से मुलाकात भी कर चुके हैं।

गड्ढ़ों में तब्दील सड़कें

गांधीनगर की अधिकांश सड़कों पर गड्ढे हैं । मानसून से पहले बीते दिनों कुछ देर की बारिश ने जन जीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया था। मानसून में सड़कें खतरनाक हो जाएंगी। बारिश से पहले सफाई और गड्ढों की मरम्मत का काम नहीं हुआ है।

अवैध कटाई रोकने की मांग को लेकर एमडी को ज्ञापन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गंज बासौदा वन क्षेत्र में वन संपदा की चोरी और अवैध कटाई रोकने तथा भू माफिया के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने को मांग को लेकर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी मध्य प्रदेश के राज्य सह सचिव कॉमरेड शैलेन्द्र शैली और राज्य परिषद सदस्य कॉमरेड कैलाश कुशवाह ने भोपाल में मध्य प्रदेश राज्य वन विकास निगम के प्रबंध संचालक राजकुमार यादव को ज्ञापन सौंपा।

इस अवसर पर भाकपा नेताओं ने कहा कि ÷ विगत वर्षों में कई बार शिकायत करने के बाद भी वन संपदा की चोरी ,अवैध कटाई और भू माफिया के खिलाफ कड़ी कार्रवाई नहीं होना बेहद चिंताजनक है।इस वन क्षेत्र में वन विभाग के अधिकारियों की भू माफिया से सांठगांठ है। पार्टी ने तत्संबंधी कार्रवाई नहीं होने पर आन्दोलन करने की चेतावनी दी है।

विधायकों पर पीएम की योजनाओं को जमीन पर उतारने का जिम्मा

- अगले 4 साल में 60 करोड़ रुपये मिलेंगे, लेकिन पहले रोडमैप बताना होगा
- तब सरकार देगी हर माह 15 करोड़

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की योजनाओं को जमीन पर उतारने का जिम्मा विधायकों का होगा। विधायकों को इन कामों को जमीन पर उतारने के लिए 60 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। यह राशि अगले चार साल में दी जाएगी लेकिन इसके पहले विधायकों को रोडमैप बनाना होगा। तब हर साल 15 करोड़ रुपये मिलेंगे। इस काम में कलेक्टरों को पूरा सहयोग करना होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ये निर्देश सागर, चंबल व ग्वालियर संभाग के विधायकों के साथ ली बैठक में मंगलवार को दिए। असल में केंद्र सरकार ने जनता की भलाई के लिए कई योजनाएं चला रखी है, इनमें से कुछ योजनाओं में तो ठीक काम हो रहे हैं लेकिन कुछ योजनाओं में लक्ष्य से पिछड़े हैं, जिस पर मुख्यमंत्री नजर रखे हुए हैं। ये केंद्र हो या राज्य सभी योजनाओं में 100 फीसद सफलता हासिल करने के लक्ष्य को लेकर चल रहे हैं। जिसके चलते मैराथन बैठकें ले रहे हैं। उन्होंने विधायकों को साफ कहा कि अपने क्षेत्र में केंद्र व राज्य की योजना, सभी पर 100 फीसद खरा उतरना पड़ेगा।

विधायकों को भी लगाने होंगे दरबार

क्षेत्र में नहीं जाने वाले विधायकों पर सरकार शिकंजा कसती जा रही है। अब सभी विधायकों को क्षेत्र में जनता दरबार लगाना होगा, उसमें जनता की सुनवाई करनी होगी। ये शिविर के रूप में लगाए जाएंगे। इसमें बकायदा अधिकारी भी मौजूद रहेंगे।

गौशालाओं पर फोकस

गौ-शालाओं के संचालन के लिए प्रति गाय 40 रुपए की राशि प्रतिदिन के मान से उपलब्ध कराएगी। गौ-शालाएं अच्छी तरह चलें। स्वस्थ्य पशु अपने घरों में रखें, लावारिस और अपाहिज गौ-वंश को गौशालाओं में जरूर रखा जाए। गौ-शाला संचालन का जनता के बीच अच्छा संदेश जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि विधानसभा में किए गए अच्छे प्रयोगों का प्रचार प्रसार करने के लिए स्मारिका का प्रकाशन करवाएं।

भोपाल। बजट पेश करने से पहले वित्त मंत्री ने घर में पूजा की और पत्नी ने मुंह मीठा कर रवाना किया।

एनआईटीटीटीआर: सिर्फ डिग्री नहीं, कौशल एवं क्षमता पर फोकस करे स्टूडेंट्स

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर) ने डीम्ड यूनिवर्सिटी बनने के बाद अपने यहां विभिन्न क्षेत्रों में अकादमिक प्रोग्राम प्रारम्भ किए हैं। सभी प्रोग्राम्स बिभिन्न क्षेत्रों में आवश्यकता, जॉब ओरिएंटेड एवं क्षमता संवर्धन पर आधारित होंगे। निटर निदेशक प्रो. सीसी त्रिपाठी ने कहा कि स्टूडेंट्स सिर्फ डिग्री नहीं वरन कौशल एवं क्षमता संवर्धन पर फोकस करें। रिसर्च सिर्फ पेपर पब्लिकेशन तक सीमित न होकर प्रोडक्ट के रूप में कन्वर्ट हो जो समाज की समस्याओं का हल प्रदान करें। संस्थान के स्कूल ऑफ साइंसेज ,स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी ,स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज एवं स्कूल ऑफ क्रिएटिव एजुकेशन एंड लिबरल आर्ट्स के अंतर्गत विभिन्न विभागों के फैकल्टी मेंबर्स अपने अपने क्षेत्र की लेटेस्ट एवं इमर्जिंग टेक्नोलॉजी के एरिया में पीएचडी एवं पीजी प्रोग्राम्स का संचालन करेंगे। यहाँ रिसर्च करने वाले शोधार्थियों को संस्थान के नवीन संसाधन युक्त सेंटर ऑफ एक्सेलन्स की प्रयोगशालाएं,इंडस्ट्री की रिसर्च लैब्स के साथ साथ निटर के एमओयू पार्टनर की लैब्स में भी कार्य करने की सुविधा मिलेगी। यहां टेक्निकल कौशल की साथ-साथ टीचिंग की अतिरिक्त स्किल्स भी प्रदान की जाएँगी। निटर भोपाल में स्पेस वेदर, जीपीएस, लेजर भौतिकी, ड्रग डिजाइन और डिस्कवरी, नैनोमेटेरियल्स, मल्टीफंक्शनल स्मार्ट कंपोजिट, डिजाइन थिंकिंग, कौशल विकास, सोशल मीडिया मैनेजमेंट, डिजिटल कंटेंट एवं अन्य क्षेत्रों में शोध कार्य किया जाएगा।

दोनों दलों के मैदानी संगठन नाराज

युवा मोर्चा राहुल के बयान पर नाराज तो युंका ने नर्सिंग घोटाले पर जताया आक्रोश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भाजपा और उसके मैदानी संगठन कांग्रेस नेता राहुल गांधी के संसद में दिये बयान से अब तक नाराज हैं। वहीं कांग्रेस के मैदानी संगठन युंका ने मप्र के नर्सिंग घोटाले में कडा रुख अपना रखा है और सत्याग्रह जारी है। इसमें प्रदेशाध्यी व नेता प्रतिपक्ष भी शामिल हुए हैं। कल विधानसभा में भी इस मामले में लंबी व तीखी बहस हो चुकी है।

इधर भाजपा युवा मोर्चा द्वारा राहुल गांधी के संसद में हिन्दु समाज को लेकर दिए गए बयान के विरोध में प्रदेश भर में प्रदर्शन कर पुतला जलाया गया। प्रदेश अध्यक्ष वैभव पंवार के नेतृत्व में भोपाल में प्रदेश कांग्रेस कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन कर राहुल गांधी का पुतला फूंककर हिंदू समाज को हिंसक बताने वाले बयान का विरोध जताया। पंवार के नेतृत्व में भोपाल में शिवाजी नगर चौराहे के पास कांग्रेस प्रदेश कार्यालय के पास राहुल गांधी के बयान के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया।

दूसरी तरफ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के आव्हान पर सभी जिला में भाजपा सरकार की शिक्षा नीति, नर्सिंग घोटाले और पेपर लीक घोटाले को लेकर भाजपा सरकार के खिलाफ धरना-प्रदर्शन एवं तत्कालीन चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग के इस्तीफे की मांग करते हुये जिला कलेक्टर के नाम संबोधित ज्ञापन संबंधित अधिकारियों को सौंपा गया। भोपाल जिला/शहर कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में प्रवीण सक्सेना और अनोखी पटेल के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यालय के समीप प्रदेश सरकार की शिक्षा नीति, नर्सिंग घोटोल सहित प्रदेश की भ्रष्ट सरकार और तत्कालीन चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग के खिलाफ धरना-प्रदर्शन कर मंत्री के बंगले का घेराव किया गया और मंत्री के इस्तीफे की मांग करते हुये भोपाल कलेक्टर को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा। युंका ने कहा है कि धरना-प्रदर्शन में शामिल हजारों की संख्या में उपस्थित कांग्रेसजनों पर सरकार के इशारे पर पुलिस प्रशासन ने लाठी चार्ज किया, वॉटर केनन से पानी की बौछार की जिससे भगदड़ मच गई और कई कांग्रेसियों को इससे चोटें भी आयीं।

हाईकोर्ट ने व्यवस्था पर लगाई रोक

एसीएस के ठेका प्रथा वाले आदेश पर रोक, विभाग था अनमना

वन विभाग में एसीएस रहते कंसोटिया ने वन विभाग में की थी ठेकेदारी व्यवस्था की शुरूआत

भोपाल, दोपहर मेट्रो। वन विभाग में ठेका प्रथा लागू नहीं होगी। इस पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। यह व्यवस्था अपर मुख्य सचिव जेएन कंसोटिया के नेतृत्व में शुरू हुई थी, तभी इसका विरोध भी शुरू हो गया था। वन विभाग के अधिकारियों ने कहा था कि विभाग में ठेका व्यवस्था ठीक नहीं होगी, इसके कारण काम कराने में असुविधा होगी, जिनकी बात नहीं मानी। इसी बीच काम प्रभावित हुआ, जिसके देखते हुए बालाघाट वन समिति के लोग हाईकोई पहुंच गए। हाईकोर्ट में सुनवाई के बाद 1 जुलाई को मप्र के वन विभाग में ठेका प्रथा पर स्थगन देकर रोक लगा दी गई।

उल्लेखनीय है कि वन विभाग ने 27 मार्च को एक आदेश जारी किया था। इस आदेश के अनुसार 2 लाख या उससे अधिक के काम टेंडर के जरिए होंगे। जिसमें कि ठेकेदार हिस्सा ले सकेंगे। इस राशि से नीचे के कुछ कामों को विभाग ही स्वयं के स्तर पर कराएगा, यह व्यवस्था भी दी थी जबकि पूर्व में सभी काम विभाग कराता था, मजदूरी के भुगतान की व्यवस्था थी और सामग्री पर कितना खर्च करना है, यह भी तय था। चूंकि जंगल में काम कराने से जुड़ा मामला है इसलिए मैदानी अमला अपनी सुविधा व निगरानी में काम कराता है। ठेकेदारी से काम कराने में अमले और ठेकेदार के बीच विरोधाभास की स्थिति की आशंका थी।

आचार संहिता के बीच किया आदेश, काम प्रभावित

एसीएस जेएन कंसोटिया ने यह आदेश उस समय कराया जब मप्र में लोकसभा की आचार संहिता प्रभावी थी। इसके कारण जंगलों में गर्मी के समय होने वाले कोई काम नहीं हो पाए। क्योंकि एक तरफ आदेश में काम टेंडर में कराए जाने के निर्देश थे तो दूसरी तरफ आचार संहिता प्रभावी थी जिसके कारण टेंडर जैसी प्रक्रिया को शुरू करने में कई अड़चनें थी। नतीजा यह रहा कि पौधा रोपण, वन्यप्राणी सुरक्षा, जंगल सफाई समेत कई काम प्रभावित हो गए।

एसीएस को ही लगानी पड़ी रोक

जब जंगल में काम प्रभावित होने लगा तो एसीएस समेत वन मंत्रालय के अधिकारी घबरा गए और आनन-फानन में 27 मार्च के आदेश पर 31 जुलाई तक रोक लगा दी गई। उसमें कहा गया कि पूर्व की व्यवस्था के अनुसार ही 31 जुलाई तक काम करें। बालाघाट वन सुरक्षा समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि कोर्ट में आदेश को चुनौती दी थी, जिस पर हाईकोर्ट ने 1 जुलाई को स्थगन दे दिया है।

मेट्रो एंकर | आई.ई.एस. ग्रुप का रजत जयंती समारोह आयोजित

राज्यपाल ने कहा- विद्यार्थी शिक्षा और संस्थान के संस्कारों को हमेशा याद रखें

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शिक्षा को ज्ञान आधारित बनाने के साथ सेवा, संस्कार और संवेदनशीलता के मूल्य केन्द्रित बनाना होगा। विद्यार्थी शिक्षा और संस्थान के संस्कारों को हमेशा याद रखें। माता-पिता के संघर्षों को नहीं भूलें और उनके योगदान का सम्मान करें और कृतज्ञ रहें। यह बात राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने मंगलवार को आई.ई.एस. ग्रुप के रजत जयंती समारोह को संबोधित करते हुए कही। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्जवलन कर किया। पटेल का आई.ई.एस. विश्वविद्यालय के कुलाधिपति इंजी. बी.एस. यादव ने पुष्पगुच्छ से स्वागत और शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया। राज्यपाल ने उपस्थित लोगों और विद्यार्थियों को 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान से जुड़ने की अपील भी की।

भावी पीढ़ी को तैयार करना होगा

राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा के व्यावसायिक और व्यावहारिक पक्षों में समन्वय जरूरी है। संस्थान को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप भावी पीढ़ी को तैयार करना होगा। इसके लिए नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न आयामों को प्रभावी रूप से लागू करना होगा।

सफल अधिकारी बनने सरल, सेवाभावी बनें

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने एक अन्य कार्यक्रम में भारतीय प्रशासनिक सेवा के 2023 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे।कहा है कि अधिकारियों के लिए उनका व्यवहार सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। सफल अधिकारी बनने सरल, सेवाभावी तथा संवेदनशील रहें। आप सभी की जहाँ भी पदस्थापना हो, जिनसे भी मिलें, सरल भाषा में आत्मीयता से बात करें। गरीबों एवं वंचितों की बेहतरी के लिए काम करना ही प्रशासनिक सेवा की सार्थकता है। राज्यपाल ने कहा कि प्रभावी अधिकारी बनने के लिये सीखने का भाव जरूरी है। पूरे सेवाकाल में सीखते रहें। कार्य क्षेत्रों का सघन दौरा करें। जनता की समस्याओं को गम्भीरता से सुनें और समाधान करें।

संपादकीय

नए कानून

देश में तीन दिन पहले तीन नए कानून लागू हो गए हैं।इसे लेकर कई हल्कों में बहस भी है और उत्सुकता भी। सरकार का कहना है कि इन कानूनों के जरिए न्याय सुनिश्चित होगा, पुराने कानूनों का बल दंड पर अधिक था। बावजूद सरकार को यह भरोसा दिलाना होगा कि ये कानून वास्तव में लोगों के लोकतांत्रिक और मानवीय अधिकारों की रक्षा करने वाले हैं। कहा गया है कि नए कानूनों से आधुनिक प्रणाली स्थापित होगी। इनमें अब घर बैठे प्राथमिकी दर्ज कराने, शून्य प्रथमिकी के तहत किसी भी थाने में शिकायत दर्ज कराने जैसी सहूलियतें दी गई हैं, जिससे लोगों का समय बचेगा। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद अदालतों को भी तय समय के भीतर फैसला सुनाने की बाध्यता होगी। बलात्कार, बाल यौन शोषण जैसे मामलों में जांच और सुनवाई संबंधी सख्त नियम बनाए गए हैं। निस्संदेह, मामलों की जांच और सुनवाई में गति आएगी, तो लोगों को न्याय मिल सकेगा। मगर विपक्ष का कहना है कि इन कानूनों में कुछ ऐसी सख्त धाराएं हैं, जिनसे पुलिस को मनमानी का अधिकार मिलता और मानवाधिकारों के हनन का रास्ता खुलता है। खासकर आपराधिक कानूनों को लेकर व्यापक विरोध देखा जा रहा है। दरअसल, ये कानून विपक्ष की गैरमौजूदगी में और बिना किसी बहस के पारित हो गए थे, इसलिए इन पर विस्तारपूर्वक चर्चा ही नहीं हुई और इसीलिये माना जाता है कि इसमें सरकार व अफसरों यानि ब्यूरोक्रेसी का पक्ष ही भारी रहा। इनकी कई धाराओं को लेकर भ्रम और विवाद की गुंजाइश बनी हुई है। सामाजिक बदलावों और जरूरतों के मुताबिक कानूनों में संशोधन और अप्रासंगिक हो चुके कानूनों को समाप्त करना जरूरी होता है। इस लिहाज से औपनिवेशिक काल से चले आ रहे कानूनों की समीक्षा और उनमें बदलाव जरूरी थे। हालांकि ऐसा भी नहीं कहा जा सकता कि सारे कानून ब्रिटिश राज के समय से जस के तस चले आ रहे थे। उनमें समय-समय पर बदलाव होते रहे हैं, जिन कानूनों की प्रासंगिकता नहीं रह गई थी, उन्हें समाप्त भी किया गया। मगर फिर भी बहुत सारे कानून बदली स्थितियों से मेल नहीं खाते थे। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह अपराधों की प्रकृति बदली और देश की अखंडता और संप्रभुता को चुनौती देने वाली गतिविधियां ब?ी हैं, आतंकवादी संगठनों की सक्रियता ब?ी है, उसमें कुछ सख्त कानूनों की जरूरत से इनकार नहीं किया जा सकता। मगर आपराधिक कानून बनाते समय यह ध्यान रखना भी जरूरी होता है कि उनका दुरुपयोग न होने पाए, उनके चलते सामान्य नागरिकों के मानवाधिकारों का हनन न हो। औपनिवेशिक समय के राजद्रोह कानून की जगह देशद्रोह कानून लाने की इसीलिए सबसे अधिक आलोचना हो रही है कि उससे लोगों में नागरिक अधिकारों के हनन का भय अधिक पैदा होता है। हालांकि हर नए कानून के सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं पर चर्चा तो होती ही है, होनी भी चाहिए, मगर उन पर आम सहमति बने बिना लागू किए जाने से विवाद और नाहक भय का वातावरण बनता है। जब तक आम नागरिकों में इन कानूनों को लेकर भरोसा नहीं बनेगा, विरोध के स्वर उठते रहेंगे। जब ये कानून संसद में पारित हुए थे, तब उसके एक हिस्से को लेकर ट्रक चालकों ने देशव्यापी ह?ताल की थी। अब कई जगह खुद वकील इनके विरोध में उतरने वाले हैं। कुछ राज्यों ने इनके विरोध में आवाज उठानी शुरू कर दी है। संसद में विपक्ष तो हमलावर है ही। अगर सचमुच कुछ कानूनों की वजह से समाज में व्यवस्था के बजाय अव्यवस्था पैदा होती है, तो यह किसी भी तरह लोकतंत्र के लिए अच्छी बात नहीं होगी।

बंजर होती जमीन को हरा-भरा करने का सिर्फ एक ही रास्ता

देश में वन लगाने को दें जन आंदोलन का रूप

■ अनिल प्रकाश जोशी

पर्यावरण को लेकर संयुक्त राष्ट्र ने हाल ही में जिस विषय पर चर्चा का आह्वान किया है, वह बंजर पड़ती जमीन और बढ़ता मरुस्थल है। पर्यावरण के मौजूदा हालात से कम से कम यह तो समझा ही जा सकता है कि अब सब कुछ हमारे नियंत्रण से बाहर जा रहा है। इस बार के ग्रीष्म काल को ही देख लीजिए, जिसने फरवरी से ही गर्मी का एहसास दिला दिया था और जून पहुंचते-पहुंचते अपना प्रचंड रूप दिखा दिया। पूरी दुनिया में औसतन तापक्रम बढ़ा है और अब प्रचंड गर्मी के दिन धीरे-धीरे बढ़ते जा रहे हैं। इस बात को राहत न मानें कि आने वाले समय में ये स्थिर हो जाएंगे। आज दुनिया में 80 प्रतिशत लोग इस गर्मी को झेल रहे हैं और ऐसे गर्म दिनों की संख्या पहले प्रतिवर्ष 27 के आसपास होती थी, लेकिन अब वर्ष में 32 दिन ऐसे होते हैं, जब गर्मी खतरे की सीमा तक पहुंच जाती है। अभी बिहार, जैसलमेर, दिल्ली में भयंकर हीटवेव की खबर आई थी, लेकिन देश के अन्य हिस्सों में भी हीटवेव ने लोगों?की हालत बदतर कर दी है। इस बढ़ती गर्मी का सबसे महत्वपूर्ण कारण तो यही है कि हमने पृथ्वी और प्रकृति के ब?ते असंतुलन की तरफ कभी ध्यान ही नहीं दिया। दुनिया भर में एक-एक करके प्रकृति के सभी संसाधन या तो बिखर गए या फिर घटते चले गए। और इसका जिम्मेदार अगर कोई है, तो स्वयं मनुष्य ही है। हमने अपनी जीवन-शैली को कुछ इस तरह बना लिया है कि अब हम उन आवश्यकताओं से बहुत ऊपर उठ गए हैं, जो जीवन का आधार थीं। अब हमने विलासिताओं को भी आवश्यकताओं में बदल दिया है, जिनके कारण पृथ्वी के हालात गंभीर होते चले गए। मसलन आज हमारी जीवन-शैली में बहुत ब? बदलाव आए हैं। ब?ता शहरीकरण और ऊर्जा की अत्यधिक खपत के कारण ग्लेशियर पिघलने लगे हैं, तो नदियां सूखने के कगार पर पहुंच चुकी हैं। जमीन हो या आसमान पृथ्वी का कोई भी हिस्सा सुरक्षित नहीं बचा है।

दुनिया में बढ़ते मरुस्थल की चिंता पर हम कितने गंभीर हैं, इसका पता इन आंक?ों से चलता है। दुनिया में करीब 24 प्रतिशत भूमि अब मरुस्थलीय लक्षण दिखा रही है। मरुस्थलीय भूमि उसे कहते हैं, जहां कुछ भी पैदा होना संभव नहीं रहता और पूरी धरती लवणीय हो जाती है तथा पानी की बहुत बड़ी कमी हो जाती है। बोलीविया, चिली, पेरू जैसे देशों में 27 से 43 प्रतिशत भूमि मरुस्थलीय हो चुकी है और अर्जेंटीना, मेक्सिको, प्राग की तो 50 प्रतिशत से ज्यादा भूमि बंजर पड़ चुकी है। दुनिया भर में बढ़ते ग्रासलैंड व सवाना जैसे मरुस्थल इसी ओर संकेत करते हैं कि ये भूमि उपयोगी नहीं रहीं। अपने देश में माना जाता है कि 35 फीसदी भूमि पहले ही डिग्रेड हो चुकी है और इसमें से भी 25 फीसदी बंजर बनने वाली है। ज्यादातर ऐसी भूमि उन राज्यों में है, जो संसाधनों की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। उदाहरण के लिए, झारखंड, गुजरात, गोवा, दिल्ली और राजस्थान भी इनमें शामिल हैं। इन क्षेत्रों में 50 फीसदी से ज्यादा भूमि बंजर होने वाली है। थोड़ी राहत की बात है कि उत्तर प्रदेश, राजस्थान, केरल, मिजोरम जैसे राज्यों में अभी मात्र 10 प्रतिशत भूमि में ही बंजरपन दिखाई दे रहा है।

जहां पहले वन होते थे, तालाब थे, या जहां प्रकृति के अन्य संसाधनों के भंडार होते थे, उन सबको अन्य उपयोगों में ले लिया गया है। एक अनुमान के मुताबिक, दुनिया भर की 50 प्रतिशत भूमि को अन्य उपयोगों में लगा दिया गया है। इनमें 34 फीसदी देश अत्यधिक बदलाव की श्रेणी में हैं, जबकि 48 फीसदी देशों में मध्यम बदलाव हुआ है, और 18 फीसदी देश ही ऐसे हैं, जहां भूमि उपयोग में ज्यादा बदलाव नहीं हुआ है। दक्षिण एशिया में तो 94 प्रतिशत भूमि का उपयोग बदल चुका और यूरोप 90 फीसदी तथा अफ्रीका में यह आंकड़ा 89 प्रतिशत है। भूमि उपयोग बदलने के कारण प्रकृति तेजी से हमारा साथ छोड़ रही है। जबसे औद्योगिक क्रांति आई, तबसे हमने 68 फीसदी वन खो दिए। आज दुनिया में मात्र 31 फीसदी वन बचे हैं। इस तरह एक व्यक्ति के हिस्से में करीब 0.68 वृक्ष ही आएंगे। अपने देश में दावा किया जाता है कि हमारे पास 23 प्रतिशत भूमि वनों से आच्छादित है। अगर इसे सही मान भी लें, तो हमारे यहां प्रति व्यक्ति के हिस्से में 0.08 भूमि है। दूसरी चिंता की बात यह ही कि देश का ऐसा कोई भी कोना नहीं है, जहां खनन ने अपना पैर न फैला दिया हो। सरकारों के लिए यह राजस्व का सबसे बड़ा स्रोत भी होता है। इसलिए खनन हर राज्य की आय का बड़ा साधन बन चुका है।

फिर दुनिया में खेती के पैटर्न में बहुत ज्यादा बदलाव आया। अब खेती व्यावसायिक हो चली है, जिसमें आक्रामक ढंग से रसायनों का अधिकाधिक उपयोग होता है। पहले पेट भरने के लिए खेती होती थी, पर अब पैसों के लिए खेती की जाती है। नतीजतन खेती वाली भूमि भी बंजर हो गई। पानी के अभाव के कारण भी कई स्थानों पर खेती को त्याग दिया गया है। इसके अलावा, बंजर हालात के लिए क्लाइमेटिक वेरिएशन भी कारण बना है। हर देश में स्थान विशेष की परिस्थिति में ह्रास आया है। आज भी लकड़ी और चारे के लिए जंगलों पर निर्भरता बनी हुई है। दूसरी तरफ गर्मी में एसी और जाड़ों में हीटर का बदस्तूर उपयोग जारी है। हम सुबह से शाम तक ऊर्जा की खपत में लगे रहते हैं, पर उसकी आपूर्ति के रास्ते भी सीमित हो गए।

चिंताजनक बात यह है कि अब हमारे पास भी ऐसा विकल्प नहीं बचा है, जो बंजर पड़ती भूमि को फिर से हरा-भरा कर सके। एक ही रास्ता है कि अगर हम देश में वन लगाने को जन आंदोलन का रूप दे दें, तो शायद कुछ नियंत्रण हो पाए। लेकिन इस क्रम में वनों की प्रजाति पर भी उतना ही गंभीर होना पड़ेगा, क्योंकि स्थानीय वन ही वहां की प्रकृति को जोड़ते हैं और साथ देते हैं। कभी-कभी वनीकरण के दौरान हम ऐसी प्रजातियों पर बल देते हैं, जिनका कोई प्राकृतिक योगदान नहीं होता और ये कमर्शियल फॉरेस्ट्री बन जाती है। आज दुनिया भर में बढ़ती गर्मी और समुद्र से उठे तूफान हमें समझा रहे हैं कि अब हम अपने चरम पर पहुंच गए हैं, जहां से बंजर होती यह दुनिया फिर शायद हमारे लिए जीने लायक नहीं बचेगी।

- साभार

अपने देश में माना जाता है कि 35 फीसदी भूमि पहले ही डिग्रेड हो चुकी है और इसमें से भी 25 फीसदी बंजर बनने वाली है। ज्यादातर ऐसी भूमि उन राज्यों में है, जो संसाधनों की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। उदाहरण के लिए, झारखंड, गुजरात, गोवा, दिल्ली और राजस्थान भी इनमें शामिल हैं। इन क्षेत्रों में 50 फीसदी से ज्यादा भूमि बंजर होने वाली है। थोड़ी राहत की बात है कि उत्तर प्रदेश, राजस्थान, केरल, मिजोरम जैसे राज्यों में अभी मात्र 10 प्रतिशत भूमि में ही बंजरपन दिखाई दे रहा है...

वे बच्चे जो कभी घर नहीं लौट पाते

■ क्षमा शर्मा

हाल ही में दिल्ली पुलिस ने चौदह साल से कम उम्र के तेईस खोए हुए बच्चों को उनके माता-पिता से मिलवाया है। पुलिस ने बच्चों की काउंसलिंग भी की। पता चला कि वे घर का रास्ता भटककर खो गए थे। इनमें से कई बच्चे घर से बाहर खेलने के लिए गए थे। कई दुकानों से सामान लाने गए थे और रास्ता भूल गए थे। कई बच्चे ऐसे भी थे जो ठीक से बोल नहीं पाते थे। पुलिस ने बताया कि इन बच्चों को अपने घर का पता नहीं मालूम था। न ही वे ये बता सकते थे कि उनके घर के आसपास ऐसी कौन-सी मशहूर जगह या लैंडमार्क है जहां पहुंचकर घर जाया जा सके। पुलिस को पता चला कि घर वालों ने कभी इस ओर ध्यान ही नहीं दिया था कि बच्चों को घर का पता याद होना जरूरी है। अब पुलिस माता-पिता को इस बारे में शिक्षित कर रही है कि वे बच्चों को अपने घर का पता, टेलीफोन नम्बर आदि जरूर याद कराएं। उनके कपड़ों में घर का पता और फोन नम्बर लिखकर हमेशा रख दें जिससे अगर वे रास्ता भूल भी जाएं तो कोई उन्हें घर पहुंचा दे। पुलिस के पास आएं तो पुलिस को भी बच्चों को घर लाने में आसानी हो। दिल्ली पुलिस ने ऐसे सोलह बच्चों को भी ढूंढ़ निकाला जिन पर इनाम घोषित था। पैंतालीस ऐसे बच्चों को भी उनके घर पहुंचाया गया, जो परीक्षा में अच्छा नहीं कर पाते थे, इस वजह से घर वालों की डांट खाते थे। इसलिए वे बिना बताए घर से चले गए थे। बच्चों का खोना या हाट, मेले में घर वालों से बिछुड़ना कोई नई बात नहीं है। इस विषय पर बहुत-सी फिल्में भी बन चुकी हैं। बचपन में इसीलिए अक्सर घर वाले घर से बाहर तभी जाने देते थे, जब घर का कोई बड़ा साथ हो। दरअसल, बच्चे चुराने वाले गिरोह भी सक्रिय रहते थे, जो आज भी रहते हैं। इसके अलावा अड़ोस-पड़ोस भी आज की तरह कोई बेगाना नहीं था। हर कोई एक-दूसरे के परिवार वालों को जानता था, इसलिए बच्चे सुरक्षित भी रहते थे।बचपन बचाओ आंदोलन की रिपोर्ट 'मिसिंग चिल्ड्रन आफ इंडिया' के अनुसार अपने देश में हर साल छियानवे हजार बच्चे खो जाते हैं, जिनमें से इकतालीस हजार, पांच सौ छियालीस बच्चे कभी नहीं मिलते। संगठन का कहना है कि भारत में हर घंटे ग्यारह बच्चे खो जाते हैं। इनमें से चार का पता कभी नहीं चलता।

भारत के छह सौ चालीस जिलों में से तीन सौ बानवे जिलों में जनवरी, 2008 से जनवरी, 2010 में खोए हुए बच्चों का अध्ययन किया गया था। उसी के आधार पर यह रिपोर्ट तैयार की गई थी। इसमें सबसे गम्भीर बात यह बताई गई थी कि खोए हुए बच्चे या तो बंधुआ मजदूरी का काम करते हैं या तरह-तरह से उनका यौन शोषण किया जाता है। महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल से सबसे ज्यादा बच्चे खोते हैं।क्राई संस्था का भी कहना है कि भारत में बड़ी संख्या में बच्चे लापता हो जाते हैं। 2011 में पहले चार महीनों में ही बारह सौ साठ बच्चे लापता हो गए थे। इन खो जाने वाले सत्तर फीसदी बच्चों की उम्र बारह से अठारह साल के बीच होती है। इनमें से रिपोर्ट्स के अनुसार ही हजारों बच्चे अपने घर कभी लौट ही नहीं पाते। बच्चों के लिए काम करने वाले संगठनों को पुलिस के रवैये से भी नाराजगी है। उनका कहना है कि पुलिस अक्सर खोए हुए बच्चों की रिपोर्ट ही नहीं लिखती। हालांकि, यह भी सच है कि अनेक मामलों में पुलिस बच्चों को ढूंढ़ती भी है। दिल्ली में खोए हुए बच्चों को उनके माता-पिता से मिलाने के लिए 'आपरेशन मिलाप' नामक कार्यक्रम भी चलाया जाता है। इस लेख की शुरुआत में पुलिस द्वारा खोए बच्चों का जिक्र है। यह भी कि उनमें से बहुत से बच्चों को अपने घर का पता या लैंडमार्क ही नहीं मालूम होता। इसके लिए पुलिस अभिभावकों के लिए जागरूकता अभियान भी चलाती है। पुलिस का कहना है कि अपने बच्चों को घर का पता ठीक से याद कराएं। हो सके तो फोन नम्बर भी उन्हें याद करा दें। जो बच्चे ठीक से बोल नहीं पाते जब भी वे घर से बाहर जाएं, उनके कपड़ों पर घर का पता और फोन नम्बर लिख कर हमेशा रख दें।वर्ष 2023 में मुम्बई पुलिस ने 'आपरेशन मुस्कान' के तहत आठ महीनों में पचास हजार खोए हुए बच्चों का पता लगाया था। पुलिस ने यह भी बताया था कि इन बच्चों के खोने के बड़े कारणों में पढ़ाई पर ध्यान न देना, मोबाइल का अधिक प्रयोग, गरीबी से बचने की चाहत, फिल्मों में काम करने की इच्छा, प्रेम-संबंध, माता-पिता से झगड़ा आदि शामिल हैं। साथ ही कई बार बच्चे उन लोगों से मिलने के लिए घर से भाग जाते हैं, जिनसे सोशल मीडिया पर चैट तो करते हैं मगर उनसे मिले भी नहीं होते। आजकल सोशल इनफ्लुएंसर बनने के चक्कर में भी बच्चे घर से भाग रहे हैं।

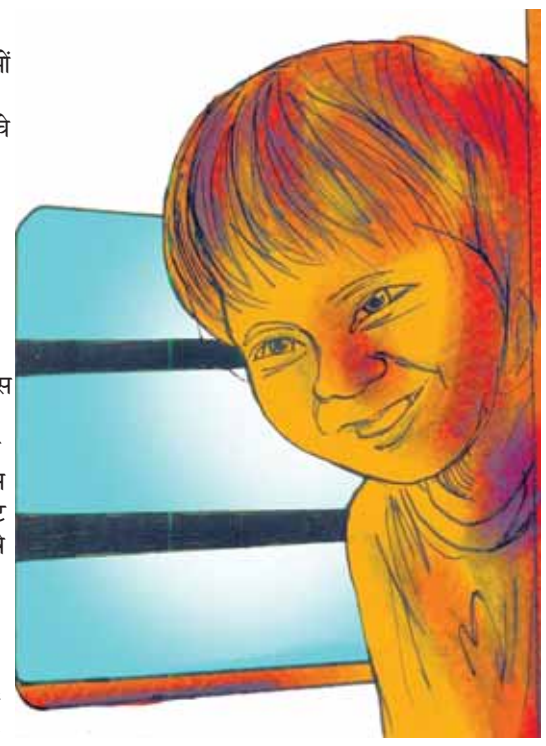

न जाने कितने माता-पिता ऐसे होते हैं, जो जीवन अपने खोए हुए बच्चों के इंतजार में गुजार देते हैं कि शायद एक दिन ऐसा हो कि बच्चा वापस आ जाए। कई बार बीस, बीस साल बाद बच्चे किसी सुखद संयोग के कारण माता-पिता के पास लौटते हैं। ऐसे में जिन माता-पिता के बच्चे पुलिस या अन्य स्वयंसेवी संस्थाओं की तरफ से घर लौट आते हैं उनकी खुशी के कहने क्या।मुम्बई में रेलवे पुलिस में कार्यरत हैं रेखा मिश्रा। वे अब तक सैकड़ों लापता बच्चों को उनके माता-पिता से मिलवा चुकी हैं। मुम्बई में देशभर से भागे हुए बच्चे आते हैं। इनकी भाषा समझना एक बड़ी चुनौती होती है। एक बार चेन्नई की तीन लड़कियों को अगवा करके मुम्बई लाया गया था। लेकिन वे केवल तमिल बोलती थीं। तब रेखा ने एक तमिल बोलने वाले की मदद से उन लड़कियों की बातों को समझा। चेन्नई से पता चला कि लड़कियों के माता-पिता ने उनके अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रेखा ने यह भी बताया कि कई बार माता-पिता ही इस बात पर ध्यान नहीं देते कि उनके बच्चे खो गए हैं। कई बार बहुत से बच्चे घर वापस नहीं जाना चाहते। यह बच्चे की इच्छा पर ही निर्भर करता है कि वह घर जाना चाहता है या पुनर्वास केंद्र। अगर वह घर नहीं जाना चाहता तो उसे पुनर्वास केंद्र भेजा जाता है और वहां उसके भरण-पोषण, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि की व्यवस्था की जाती है। सीआरपीएफ भी आपरेशन 'नन्हे फरिश्ते' चलाती है। अभी तक इस योजना के तहत आठ सौ बाईस लड़के और चार सौ चौदह लड़कियों को बचाया जा चुका है। स्वयंसेवी संस्थाओं की मदद से इन्हें इनके माता-पिता से मिलवाया जाता है।बेशक बहुत से बच्चे अपने माता-पिता से दोबारा मिल पाते हैं, इसमें अनेक संगठनों की भूमिका भी होती है। मगर ऐसे असंख्य बच्चे होते हैं जो एक बार घर से बिछुड़ने पर दोबारा कभी नहीं लौट पाते।

-साभार: यह उनके विचार हैं

आज का इतिहास

- 1658 पोप अलेक्जेंडर ने फ्रांकोइस डे लावल को न्यू फ्रांस के विकारापोस्टोलिक के रूप में नियुक्त किया।
- 1770 मिशन सैन कार्लोस बोरोमोटो डी कार्मेलो, वर्तमान में कार्मेल-बाय-द-सी, कैलिफ़ोर्निया में एक ऐतिहासिक कैथोलिक चर्च, और अल्टा कैलिफ़ोर्निया में पहली ईसाई पुष्टि की साइट स्थापित की गई थी।
- 1781 अमेरिकी क्रांतिकारी वॉर-जैक जौट ने आधी रात की सवारी नहीं की, जो थॉमस जेफरसन और वर्जीनिया विधायिका को आने वाले ब्रिटिशकाल के लिए चेतावनी दी, जिन्हें उन्हें पकड़ने के लिए भेजा गया था।
- 1781 जैक जोट ने थॉमस जेफरसन को ब्रिटिश हमले की चेतावनी दी।
- 1789 एलेक्स मैकेंज़ी ने मैकेंज़ी नदी (कनाडा) की खोज की।
- 1828 ग्रान कोलंबिया-पेरू युद्ध में राष्ट्रपति सिमोन बोलिवर ने पेरू पर युद्ध की घोषणा की।
- 1839 किंग सरकार के अधिकारी लिन ज़ेक्सू ने चीन के हुमेन में लगभग 1.2 मिलियन किलोग्राम (2.6 मिलियन पाउंड) अफीम को नष्ट करने का आदेश देकर प्रथम अफीम युद्ध का आरंभ किया।
- 1839 किंग चीनी सरकार के अधिकारी लिन ज़ेक्सू ने प्रथम अफीम युद्ध को तेज करने के लिए हुमेन में अफीम के लगभग 1.2 मिलियन किलोग्राम को नष्ट करने का आदेश दिया।
- 1856 क्यूलन व्हिपल ने स्क्रू मशीन का पेटेंट कराया।
- 1886 युगांडा के नमगोंगो में 24 ईसाइयों को जिंदा जला दिया गया।
- 1888 अमेरिकी लेखक अर्नेस्ट थायर की बेसबॉल कविता केसी एट द बबट को पहली बार सैन फ्रांसिस्को परीक्षक में प्रकाशित किया

कभी किसी को ऊंची दृष्टि से न देखें, कभी किसी को हेय दृष्टि से न देखें, जब आप हरेक को वैसा ही देखते हैं जैसे वो हैं, तो आप जीवन से अच्छी तरह से गुजरेंगे।

निशाना

आप की सरकार !

जेल से ही चलने वाली ।
आप की सरकार ।।
ना हटेंगे पीछे ।
हैं बैठे तैयार ।।
आ गया संदेश ।
पढ़ पढ़ के बताना ।।
है हमारी मर्ज़ी ।
मारो लाख ताना ।।
हुआ जो भी खेल ।
तय उसका है फल ।।
है पकड़ मजबूत ।
निकाल लेंगे हल ।।
पर समस्या आई ।
है मचा बवाल ।।
है उठा तूफान ।
लेकर के सवाल ।।

- कृष्णेन्द्र राय

टिप्पणी से नाराज मोर्चा ने राहुल का पुतला जलाया

इटारसी। संसद में कांग्रेस नेता और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा हिंदू समाज को लेकर की गई टिप्पणी के विरोध में भारतीय जनता युवा मोर्चा इटारसी सड़क पर उतरा। युवा मोर्चा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष दीपक महालहा के नेतृत्व में जयस्तंभ पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी का पुतला दहन किया। जिलाध्यक्ष दीपक महालहा ने बताया कि राहुल गांधी ने नेता विपक्ष जैसे जिम्मेदार पद पर रहते हुए जो गैर जिम्मेदाराना हरकत की है वह घोर निंदनीय है। ऐसा पहली बार नहीं है जब कांग्रेस ने हिंदुओं को अपमानित किया हो, इससे पूर्व में इन्हीं के सहयोगी एम के स्टालिक के पुत्र ने सनातन पर टिप्पणी की थी, कांग्रेस नेता प्रियंक खरगे भी सनातन को अपमानित कर चुके हैं, दिग्विजय सिंह भी पूर्व में हिंदू आतंकवाद, भगवा आतंकवाद जैसे शब्दों से हिंदुओं को अपमानित कर चुके है।मंडल अध्यक्ष अभिषेक निर्मल ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी का बयान पूरे हिंदू समाज का अपमान है। विरोध प्रदर्शन के मौके पर नपाध्यक्ष पंकज चौरे, पिछड़ा वर्ग मोर्चा अध्यक्ष जयकिशोर चौधरी, राहुल प्रधान, अशोक लाटा विपिन चांडक, गोपाल शर्मा, अर्पित रावत,अभिनव शर्मा आदि मौजूद थे। इधर इस मामले में प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता राजकुमार उपाध्याय केलू ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने संसद में हिंदू समाज को लेकर कोई गलत टिप्पणी नहीं की है। उनके बयान को गलत तरह से प्रस्तुत किया जा रहा है।

विधिक साक्षरता शिविर एवं वृक्षारोपण अभियान

नर्मदापुरम। नालसा की आदिवासियों के अधिकारों का संरक्षण और प्रवर्तन के लिए विधिक सेवाएं योजना 2015 एवं मध्यस्थता के महत्व एवं लाभ विषय पर विधिक साक्षरता शिविर एवं वृहद वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन हुआ । मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर द्वारा दिये गये निर्देशों के पालन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नर्मदापुरम द्वारा नालसा की आदिवासियों के अधिकारों का संरक्षण और प्रवर्तन के लिए विधिक सेवाएं योजना 2015 एवं मध्यस्थता के महत्व एवं लाभ विषय पर विधिक साक्षरता शिविर एवं वृहद वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत नवीन जेल के पीछे स्थित अनुसूचित जनजाति महाविद्यालयीन बालक छात्रावास में वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया गया। उक्त शिविर में उपस्थित न्यायाधीश शिवचरण पटेल, द्वारा उपस्थित बालकों एवं उपस्थित स्टॉफ को नालसा की आदिवासियों के अधिकारों का संरक्षण और प्रवर्तन के लिए विधिक सेवाएं योजना 2015, मध्यस्थता के लाभ एवं महत्व तथा पर्यावरण के संरक्षण के लिए वृक्षों का हमारे जीवन में महत्व के बारे में जानकारी प्रदान की गई तथा शिविर पश्चात् छात्रावास के प्रागंण में 50 फलदार (आम, जाम, जामुन, कटहल, आंवला, ईमली आदि) पौधों का रोपण किया गया ।

जनसुनवाई में आए 155 आवेदन, जाति प्रमाण पत्र से लेकर शाला में प्रवेश तक की गुहार

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

आम नागरिकों की समस्याओं के निराकरण के लिए जनसुनवाई कार्यक्रम में कुल 155 आवेदन प्राप्त हुए। खेडा इटारसी के बाबूलाल ने अपने नाती शिवा इरपाचे का जाति प्रमाण पत्र बनवाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया तो जनसुनवाई में उपस्थित जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सौजान सिंह रावत ने एसडीएम इटारसी को आवेदन का परीक्षण कर जाति प्रमाण पत्र बनाने के निर्देश दिए। विस्थापित ग्राम नयाधाई की झुनको बाई एवं विस्थापित ग्राम नया साकोट की शीला बाई ने अपने बच्चों का एडमिशन बाबई के मॉडल स्कूल में कराने से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किया। रावत ने जिला शिक्षा अधिकारी को उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। नर्मदापुरम के बाबा राय ने आवेदन प्रस्तुत कर बताया कि उनकी मेन चौक पर दुकान है लेकिन अभी एक फूल वाला अपनी दुकान लगाकर अतिक्रमण कर रहा है। आए दिन विवाद कर रंगदारी कर रहा है। उन्होने फूल की दुकान हटाने की मांग तो आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

ग्राम टेमलाकलां के धनश्याम यादव ने ग्राम में मुरम के अवैध उत्खनन की शिकायत की, और बताया कि जोर शौर से मुरम का अवैध उत्खन्न चल रहा है। जेसीबी ट्रेक्टर ट्रॉली एवं डम्पर से तेजी से उत्खन्न किया जा रहा है। गांव में ट्रेक्टर ट्रॉली एवं डम्पर की आवाजाही से दुर्घटना की संभावना बनी हुई है। उन्होने अवैध उत्खन्न पर कार्यवाही कर दोषियों के ऊपर दण्डात्मक कार्यवाही करने की मांग की। रावत ने खनिज अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। माखननगर की रेखा बाई ने अपने पुत्र के ईलाज के लिए आर्थिक सहायता दिलाई जाने से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किया। संबंधित अधिकारी को तत्संबंध मे।ग्राम सिलारी के रमेश कुमार ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व इटारसी के रिकार्ड सुधार अभिलेख दुरस्थीकरण के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया और बताया कि जनहित में बिना किसी कानूनी अडचन के अभिलेख दुरस्थ करने के लिए अधिनस्थ अधिकारी को आदेशित किया जाए। सदर बाजार के चंद्रभान सोनी ने गरीबी रेखा का कार्ड बनाने, ग्राम सर्रा के मुमताज शाह ने तहसील कार्यालय पिपरिया से राशन कार्ड, समग्र आईडी एवं परिचय पत्र बनाने से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किया। गोविंदा गोदरे ने मिनाक्षी चौक स्थित एसबीआई बैंक के साईड रोड पर अवैध रूप से बने पानी के बार बंद करने एवं बोर करने वालों पर कार्यवाही करने से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किया।

संभागायुक्त ने किया कमिश्नर कार्यालय का निरीक्षण

नर्मदापुरम। संभागायुक्त कृष्ण गोपाल तिवारी ने मंगलवार को कमिश्नर कार्यालय परिसर स्थित शासकीय कार्यालयों का निरीक्षण किया। उन्होंने कमिश्नर कार्यालय परिसर में लगने वाले जनसंपर्क कार्यालय, जन अभियान परिषद, नगरी प्रशासन, किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग , पेंशन कार्यालय, महिला एवं बाल विकास विभाग, श्रम कार्यालय, सहकारी संस्थाएं, मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम कार्यालय का निरीक्षण किया। संभागायुक्त ने कमिश्नर कार्यालय परिसर स्थित सभी विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि वह अपने कार्यालय में आवश्यक साफ सफाई एवं स्वच्छता बनाए रखें। कमिश्नर परिसर में किसी भी स्थिति में गंदगी ना हो तिवारी ने कमिश्नर परिसर स्थित शौचालयों का अवलोकन किया एवं वहां पर भी आवश्यक साफ सफाई रखने के निर्देश दिए।

संभागायुक्त ने निरीक्षण के दौरान कई विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारीयों के कार्यालय समय में कार्यालय में उपस्थित नहीं रहने पर नाराजगी व्?यक्?त की। उन्होंने सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों को हिदायत दी की वह प्रातः 10:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक अपने नियत कार्यालय में उपस्थित रहे। संभागायुक्त ने कहा कि अधिकारी कर्मचारियों के कार्यालय में समय पर उपस्थित न होने से शासकीय कार्य प्रभावित होता है। एवं शासन की छवि पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता है ।

शिक्षा विभाग की टीम पहुंची ग्राम धामनी टीम, क्षतिग्रस्त हो चुका है स्कूल, नहीं पढ़ाया जा सकता है बच्चों को

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

दोपहर मेट्रो
खबर का असर

ग्राम पंचायत खुटवासा के अंतर्गत आने वाली ग्राम धामनी में कंडम हो चुके स्कूल का एक लोहे का गेट 5 वर्षीय बालक के ऊपर गिरने की खबर को दोपहर मेट्रो ने प्राथमिकता से प्रकाशित की गई थी जिस पर घटना के दूसरे रोज स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों के निर्देश पर बीआरसी संगीता यादव बीएससी कमलेश यादव जन शिक्षक नितिन दुबे प्रीतम ढोकला संकुल प्राचार्य राकेश साहू की एक टीम को प्रशासनिक अधिकारियों ने जांच के लिए भेजा। जहां पर उन्होंने पाया कि 2022-23 में इस स्कूल को क्षतिग्रस्त घोषित कर दिया गया था परंतु कोई भी वैकल्पिक व्यवस्था न होने के कारण इस भवन में नन्हे मुन्ने बच्चों को पढ़ाया जा रहा था। बीआरसी ने बताया कि लोगों से बात कर ग्रामीणों के जन सहयोग से अभी वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है जिसमें बच्चों को पढ़ाया जा सके।

क्षतिग्रस्त स्कूल के कारण बच्चों को नहीं पढ़ा रहे हैं पालक

मंगलवार के दिन जब हमारे संवाददाता ने ग्राम धामनी में गमीणों से मुलाकात की तो उन्होंने बताया कि लगभग 294 मतदाता इस ग्राम में है इस ग्राम में ना तो कोई मांगलिक भवन है और ना ही आंगनबाड़ी केंद्र है अब इस स्थिति में स्कूल की प्राथमिक शाला की बिल्डिंग भी क्षतिग्रस्त हो गई है अब आप ही बताइए कि हम इस क्षतिग्रस्त स्कूल में बच्चों को कैसे पढ़ाए हम भी चाहते हैं कि हमारे बच्चे पढ़ने कहीं बाहर न जाए आज हमारी मजबूरी हो गई है कि हमें बच्चों का पढ़ने के लिए दूसरे गांव में भेजना पड़ रहा है। आज हम हमारे दैनिक दिनचर्या के कामों को छोड़कर बच्चों को छोड़ने और लेकर आते वही बारिश के दिन में कच्चा रास्ता और नदी नाले उफान में होने के कारण छोटे बच्चों को पढ़ाई में बहुत ज्यादा दिक्कत हो रही है। यही वह कारण है कि आज इस स्कूल में मात्र तीन बच्चे हैं जिन पर दो शिक्षक नियुक्त हैं।

किचन सेट भी भ्रष्टाचारीओ की भेंट चढ़ा

ग्राम पंचायत खुटवासा के ग्राम धामनी में क्षतिग्रस्त स्कूल के जस्ट बाजू में शासन ने लाखों रुपए का एक किचन सेट बना रखा है। इस किचन सेट में अभी भोजन भी नहीं बना होगा और वह भ्रष्टाचारियो की भेंट चढ़ गया आज बो जर्जर अवस्था में हो रहा है इस किचन सेट का छत गिर रहा है वही दिवाल टूट रही हैं। दरवाजा है ही नहीं और जगह-जगह से पानी चु रहा है। वहां पर आवारा मधेशियों का जमावड़ा रहता है। देखा जाए तो इस ग्राम पंचायत में अधिकतर निर्माण कर भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुका है जो एक बड़ी जांच का विषय है ग्रामीणों ने बताया कि हमारे गांव में एक समस्या हो तो आपको बताएं यहां पर तो समस्याओं का अंबार लगा हुआ है।

क्षतिग्रस्त भवनो को लेकर जिला शिक्षा केंद्र से 28 जून को हुआ था आदेश

कार्यालय जिला शिक्षा केंद्र नर्मदापुरम ने 28 जून 2024 को नर्मदा पुरम जिले के सभी बीआरसी कार्यालय को पत्र लिखकर आदेश दिया था की छात्र-छात्राओं के प्रवेश को प्रतिबंधित करने के लिए एक पत्र जारी किया था जिसमें उल्लेख किया गया था कि जो साल भवन क्षतिग्रस्त अवस्था में है अथवा घोषित की जा चुके है जिनमे तेज हवा और आंधी और बारिश में दुर्घटना की संभावना है जिनमे शाला संचालित नहीं की जाए जिला शिक्षा केंद्र के इस आदेश के बाद भी ग्राम धामनी की कंडम शाला में स्कूल लग रहा था। सिवनी मालवा विकासखंड के अंतर्गत आने वाले 96 ग्राम पंचायत में आज भी 9 ऐसे स्कूली भवन है जो क्षतिग्रस्त घोषित हो चुके हैं।

दीक्षांत कार्यक्रम का दूसरा दिन - छात्रवृति और कैरियर परामर्श पर दी गई जानकारी

नर्मदापुरम। पीएम एक्सीलेंस नर्मदा कॉलेज में मंगलवार दीक्षारंभ कार्यक्रम का दूसरा दिन रहा ।प्रभारी प्राचार्य डॉ संजय चौधरी ने स्वागत उद्बोधन देते हुए विद्यार्थियों से आह्वान किया की नई शिक्षा नीति ने कौशल विकास, उद्यमिता, स्वरोजगार और विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के माध्यम से कैरियर बनाने के विभिन्न आयाम स्थापित किए है। कार्यक्रम की समन्वयक डॉ अमिता जोशी रहीं । सर्वप्रथम डॉ मीना कीर ने केंद्र और सरकार द्वारा दी जाने वाली विभिन्न छात्रवृतियों के साथ ही योजनाओं की योग्यता, पात्रता शर्तों और आवश्यक दस्तावेजों पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी और विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। जिसमें गांव की बेटी, प्रतिभा किरण ,दिव्यांग, मेधावी, आवास योजना, एकीकृत तथा सेंट्रल सेक्टर छात्रवृत्तियों के साथ एस.सी. एस.टी., ओबीसी, जनरल विद्यार्थियों की विशेष योजनाओं पर प्रकाश डाला गया। तत्पश्चात डॉ आलोक मित्रा ने कैरियर गाइडेंस के अंतर्गत विवेकानंद प्रकोष्ठ द्वारा वार्षिक पाठ्यक्रमिक गतिविधियों के साथ गत वर्ष का प्रतिवेदन भी प्रस्तुत किया। जिसमें अल्पावधि रोजगार प्रशिक्षण, सॉफ्ट स्किल्स ट्रेनिंग, कंप्यूटर हार्डवेयर, मिट्टी की मूर्ति बनाना, मोबाइल रिपेयरिंग, ब्यूटी पार्लर सिलाई और बुटीक के प्रशिक्षण के साथ औद्योगिक भ्रमण आदि सम्मिलित रहे। तत्पश्चात नव प्रवेशित विद्यार्थियों को डॉ दिनेश श्रीवास्तव, शाहिद खान, स्नेहा दुबे प्राध्यापकों द्वारा कॉलेज परिसर के भ्रमण पर ले जाया गया। उन्होंने कालेज के विभिन्न विभागों, ग्रंथालय,खेल परिसर आदि के बारे में जाना।

प्रकृति संरक्षण के लिए पूरे माह लगाएंगे पौधे

सिवनी मालवा। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद, नगर विकास प्रस्फुटन समिति तथा रिलाएबल सोशल वेलफेयर सोसायटी के सदस्यों ने नगर की उदय बिहार कालोनी में पौधारोपण कर अपने प्रकृति संरक्षण अभियान की शुरुआत की। टीम द्वारा पूरे माह अलग-अलग जगह पर पौधारोपण किया जाएगा। इस अवसर पर नगर विकास प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष डॉ नवोदित राठौर, रिलाएबल युवा शक्ति के संरक्षक डॉ पूनम सिंह राजपूत, ईश्वर विश्नोई, देशबंधु मराठा, सौरभ बड़गुर्जर, सुमित राठौर, पूर्मी, केशवी, राजवीर उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर

संस्था में गायत्री पद्धति से हुआ उर्मिला का विवाह

मुस्कान संस्था ने निभाया माता-पिता का फर्ज

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

8 साल की उम्र में खंडवा जिले से इटारसी की मुस्कान संस्था पहुंची एक बालिका उर्मिला बालिग होने तक संस्था में ही रच बस गई थी। मुस्कान संस्था में पहुंची उस बच्ची उर्मिला को पूरे प्रबंधन ने लाड़-प्यार से पाला। जब वह बालिग हो गई तो मुस्कान संस्था प्रबंधन ने उसके मां-बाप नहीं होने का अहसास उर्मिल को नहीं होने दिया और मां-बाप का फर्ज निभाते हुए उसके हाथ पीले कराए। शहर के वृंदावन गार्डन में उर्मिला का धूमधाम से विवाह कराया। उर्मिला को विदाई देते वक्त मुस्कान संस्था से जुड़े हर शख्स की आंखों में खुशी के आंसू बह निकले।

उल्लेखनीय है कि मुस्कान संस्था में ऐसे बच्चों को रखा जाता है जिनके माता-पिता या घर-परिवार का कुछ पता नहीं होता है। जब उर्मिला को मुस्कान संस्था में एंट्री मिली थी तब उस वक्त उसकी आयु केवल 8 वर्ष की थी। बाल कल्याण समिति के माध्यम से उर्मिला को यहां लाया गया था। यहां आने के बाद उर्मिला का मन यहां ऐसा रमा कि वह यहीं की होकर रह गई। उसे कभी यहां रहकर अपने माता-पिता का ध्यान ही नहीं आया। बालिग होने के बाद उसे शक्ति सदन में रखा जा रहा था।

संस्था ढूंढ रही थी जीवनसाथी

उर्मिला की विवाह चिंता करते हुए मुस्कान संस्था प्रबंधन ने उसके लिए उचित वर की तलाश भी शुरू की। प्रबंधन की यह तलाश भोपाल में आकर पूरी हुई। जब प्रबंधन को उर्मिला के हिसाब से योग्य वर समझ आया। इसके बारे में उर्मिला से भी चर्चा की गई और उसके भी विचार जाने गए। जब उर्मिला ने विवाह की सहमति दी तब प्रबंधन ने झटपट उसका विवाह तय कर दिया।

फूलों से सजा विवाह स्थल

उर्मिला का विवाह वृंदावन गार्डन से हुआ। जोड़े का विवाह गायत्री पद्धति से मंत्रोच्चार के बीच हुआ। पूरे विवाह स्थल को बहुत ही मनोहारी ढंग से सजाया गया। भोपाल से बारात लेकर पहुंचे दूल्हे का मेन गेट पर लडक़ी पक्ष से मुस्कान संस्था प्रबंधन ने स्वागत सत्कार किया। उर्मिला के विवाह में शामिल होने शहर के गणमान्य नागरिकों में नपाध्यक्ष पंकज चौरे, शिक्षाविद् केएस उप्पल, वरिष्ठ पत्रकार जम्मू सिंह उप्पल, सुधीर गोठी, सुनील बाजपेय सहित अन्य लोगों ने वर-वधु को आशीर्वाद देने पहुंचे।

इनका कहना है

उर्मिला हमारे पास 8 साल की उम्र आई थी और आज वह अपने ससुराल जा रही है। हमें उसकी विदाई का दुख है मगर इस बात की खुशी भी है कि अब वह एक नई जिंदगी जीने जा रही है।

मनीष ठाकुर, *संचालक मुस्कान संस्था*

मंत्री पटेल विदिशा पहुंचकर शिव महापुराण कथा आयोजन में हुए शामिल

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग व श्रम विभाग के मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल का आज विदिशा आगमन हुआ। मंत्री श्री पटेल ने विदिशा नगर के हाईवे बायपास स्थित कॉलोनी में जारी श्री शिव महापुराण कथा आयोजन में पहुंचकर कथावाचक प्रदीप मिश्रा से सौजन्य भेंट कर कथावाचक श्री मिश्रा का फूल माला पहनाकर स्वागत किया। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग व श्रम विभाग के मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने श्री शिव महापुराण कथा आयोजन के पहले उन्होंने उदबोधन दिया। उन्होंने बड़ी संख्या में श्री शिव महापुराण की कथा सुनने आए श्रृद्धालुओं का कथा स्थल पर पहुंचने के लिए आभार प्रकट किया।इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता रघुवंशी के अलावा अन्य जनप्रतिनिधि व पार्षदगण मौजूद रहे।

अयोध्या बस्ती में कीचड़ से निजात दिलाने के लिए एसडीएम को दिया आवेदन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

नगरपालिका की अनदेखी के कारण नगर के अनेकों रोड़ ऐसे है जिस से निकलना दूभर है। नगर में जगह जगह रोड़ नहीं होने से वहाँ के निवासी बहुत परेशान है। नालियों की सफाई नही होने से नालियों का

पानी रोड़ के बीचों बीच गड्ढे होने से गंदा पानी भरा रहेता है शहर में कुछ जगह कच्चे रास्ते हैं जहाँ के निवासियों के तो ओर बुरे हाल है अयोध्या वस्ती में निर्माणाधीन नवीन एस डीएम कार्यालय के समीप की सड़क कच्ची होने से वहाँ के निवासी कीचड़ व गंदगी से काफी परेशान है, जिससे दुखी होकर अयोध्या वस्ती निवासी समाज सेवी वसीम अख्तर ने रोड बनवाने के संबंध मे एसडीएम हर्षल चौधरी को एक आवेदन पत्र दिया है जिस में निर्माणाधीन नवीन एसडीएम कार्यालय के समीप जो रोडक् कच्चा होने से राहगीरों को कीचड़ एवं गंदगी से परेशान होती है वार्ड नंबर 21 अयोध्या बस्ती स्थित रोड बनना है जिससे आवागमन सुचारू रूप से चल सके । वहीं वार्ड नंबर 5 में मेन रोड जो पुराने बस स्टैंड से रकाबगंज स्कूल होता हुआ कोर्ट के दरवाजे तक की सड़क भी कई सालों से बदहाल है थोड़ी बरसात होने से मेन सड़क पर चलना दूभर हो जाता है इस सड़क पर सालों पहले डामर हुआ था जो अब कहीं पर नजर नहीं आता है इस सड़क पर गड्ढे होने वर्षा का पानी भर जाता है राहगीरों को निकलना मुश्किल हो जाता है वही नगर में ऐसी केई सडकें है जो नगर पालिका एवं जनप्रतिनिधियों अनदेखी के कारण वह के निवासियों को काफी समस्या का सामना करना पड़ता है देखना ये है कि एस डी एम हर्षल चौधरी इस आवेदन पत्र पर क्या कार्यवाही करते हैं।

आवेदकों का हुआ मोहभंग, अब सीधे जिला मुख्यालय पर पहुंच रहे हैं

जनसुनवाई में अधिकांश विभागों के अधिकारी-कर्मचारी रहते हैं गायब

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

ब्लॉक के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा जनसुनवाई में नहीं पहुंचने और आवेदकों का समय पर निराकरण नहीं किए जाने के कारण प्रति मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई से लोगों का मोहभंग होता जा रहा है। जिसके चलते होने वाली जनसुनवाई में प्रति मंगलवार आवेदकों की संख्या कम होती जा रही है। इसी कड़ी में मंगलवार को जनसुनवाई कक्ष में सिर्फ 10 विभागों के अधिकारी ही जनसुनवाई में नजर आए। यही कारण है कि धीरे-धीरे क्षेत्र के आवेदकों का मोहभंग होता जा रहा है। इसी वजह से मंगलवार को सिर्फ छह आवेदक ही अपनी समस्या लेकर जनसुनवाई में पहुंचे थे। उनमें से भी अधिकांश शिकायतें सीमांकन संबंधी थी। वहीं जनसुनवाई कक्ष में सिर्फ 10 विभाग प्रमुख ही अपने विभागों संबंधी आने वाली शिकायतों के निराकरण के लिए पहुंचे थे, जिनमें एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, जपं सीईओ, कृषि विभाग, पीएचई विभाग, खाद्य विभाग, विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग, वन विभाग से वनपाल, महिला बाल विकास से सुपरवाइजर पूरे समय मौजुद रहे। लेकिन एक दर्जन से अधिक विभाग पूरे समय जनसुनवाई के दौरान नदारद दिखे। जबकि मध्य प्रदेश की मोहन सरकार लगातार जनसुनवाई के माध्यम से जरूरतमंदों के शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने एवं समय पर न्याय मिल सके इसके लिए उचित व्यवस्था करने की बात कर रही है। इसके लिए शासन स्तर से पत्र भी लगातार जारी हो रहे हैं। लेकिन बावजूद इसके स्थानीय अधिकारी जनसुनवाई में रुचि नहीं दिख रहे हैं जिसके कारण क्षेत्र के लोगों को क्षेत्र की जनता को न्याय नहीं मिल रहा है और अब धीरे-धीरे

जनसुनवाई से लोगों का मोह भंग होता जा रहा है। यही स्थिति मंगलवार को देखने को मिली जब जनसुनवाई में मात्र छः आवेदक अपनी समस्याओं को लेकर पहुंचे थे, जिनमें से अधिकांश समस्याएं सीमांकन संबंधित थी। हालांकि तहसील के बाहर ज्ञापन देने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे जब उनसे नवदुनिया की टीम ने बात की तो उन्होंने जो बात कही वह चौंकाने वाली है, उन्होंने कहा हम सड़क की मांग को लेकर कई बार जनसुनवाई में आवेदन दे चुके हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही है इसीलिए आज हम सामूहिक रूप से एकत्रित होकर ज्ञापन देने आए हैं।

जनसुनवाई में कई बार दिए आवेदन नहीं हुई सुनवाई - आवेदक फुल्ला अहिरवार का कहना है कि में अपनी बहू का नाम राशन पर्ची में जुड़वाने के लिए कई बार जनसुनवाई में आवेदन दे चूका हूं, लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। उनका कहना है कि पिछले 8 सालों से लगातार आवेदन दे रहा हूं। आवेदनों की स्थिति यह है कि सचिव, रोजगार सहायक, सीईओ, जनसुनवाई आदि में कई बार आवेदन दिए लेकिन अभी तक नाम नही जुड़ सका है। वही किसान मोहन सिंह का कहना है कि उन्होंने सीमांकन के लिए कई बार जनसुनवाई में आवेदन दिए लेकिन अभी तक सीमांकन नहीं हुआ है। इसके अलावा अन्य कई लोगों ने भी आवेदन दिए लेकिन कोई सुनवाई नहीं होने से धीरे-धीरे लोगों का जनसुनवाई से मोह भंग होता जा रहा है। लोगों का आरोप है कि जनसुनवाई मात्र एक औपचारिकता बची है जहां कुछ अधिकारी बैठते हैं आवेदन लेते हैं और अपने-अपने विभाग वापस लौट जाते हैं। जिसकी वजह से लोग अब जनसुनवाई से दूरियां बनाने लगे हैं।

जिला मुख्यालय का कर रहे रूख - सिरोंज में होने वाली जनसुनवाई में लोगों की समस्याओं का निराकरण नहीं हो पाने के कारण क्षेत्र के पीड़ित अब जिला मुख्यालय पर होने वाली जनसुनवाई का रूख करने लगे हैं, क्योंकि वहां कलेक्टर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के बैठने के कारण समस्या का कुछ न कुछ तो निराकरण हो ही जाता है। पिछले हफ्ते क्षेत्र के ग्राम सब्दलपुर, घोंसुआ ताल आदि गांव के लोग सीमांकन, सड़क एवं पटवारी की मनमानी को लेकर कलेक्टर के पास शिकायत करने पहुंचे थे। जहां से उन्हें कुछ हद तक राहत जरूर मिली है कलेक्टर ने एक्शन लेते हुए एसडीएम को निर्देशित किया था जिसके बाद स्थानीय स्तर पर दोनों ही पंचायतों के पटवारीयों हटा दिया गया है। यही वजह है कि अब सिरोंज में होने वाली जनसुनवाई से धीरे-धीरे लोग दूरियां बनाने लगे हैं।

सरकार के निर्देश भी बेअसर - तहसील में हर मंगलवार को जनसुनवाई इस उद्देश्य के साथ शुरू की गई थी कि सभी विभाग एक जगह मौजूद रहें और पीडितों को मौके पर ही समाधान भी मिले। अब हर मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई महज एक औपचारिकता बनकर रह गई है। अधिकांश विभाग के अधिकारी जनसुनवाई को लेकर कितने गंभीर हैं इसका पता इससे चलता है कि मंगलवार को जनसुनवाई कक्षा में सिर्फ नो विभाग के कर्मचारी ही मौजूद थे। वहीं कुछ विभाग के तो ऐसे कर्मचारी मौजूद थे।

कलेक्टर ने दिव्यांग आवेदक को मौके पर ही ट्रायसाइकिल सौंपी, पेंशन शुरू करने के निर्देश भी दिए

सिरोंज। कलेक्टर बुद्धेश कुमार वैद्य ने आज मंगलवार को कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई कार्यक्रम में पहुंचे विदिशा के लोहांगी मोहल्ला निवासी दिव्यांग आवेदक श्री पवन अहिरवार की समस्या का मौके पर ही समाधान कर दिव्यांग को मौके पर ही ट्रायसाइकिल प्रदाय कर शुभकामनाएं अभिव्यक्त की हैं।

जनसुनवाई कार्यक्रम में पहुंचे दिव्यांग आवेदक श्री पवन अहिरवार को ट्रायसाइकिल मिल जाने के साथ-साथ ही उन्हें दिव्यांग पेंशन स्वीकृत करने के लिए आवश्यक दस्तावेज भी उपलब्ध कराने के लिए कहा गया है। कलेक्टर श्री वैद्य ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिव्यांग आवेदक श्री अहिरवार को शीघ्र अति शीघ्र पेंशन शुरू कराए जाने के निर्देश दिए हैं। ट्रायसाइकिल के साथ-साथ पेंशन शुरू करने के लिए कलेक्टर द्वारा दिए गए निर्देशों पर दिव्यांग आवेदक ने प्रशंसा जाहिर की है। कलेक्टर बुद्धेश कुमार वैद्य एवं जिला पंचायत सीईओ डॉ योगेश भरसट ने दिव्यांग आवेदक पवन अहिरवार से संवाद भी किया।

जनसुनवाई में 80 वर्षीय वृद्ध आवेदक की समस्या का मौके पर हुआ निराकरण

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर बुद्धेश कुमार वैद्य के मार्गदर्शन में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में आज मंगलवार को अधिकांश आवेदकों की समस्याओं का मौके पर ही निराकरण किया गया है, जिनमें विदिशा के शेरपुरा निवासी 80 वर्षीय वृद्ध आवेदक श्री भोला प्रसाद राय की समस्या का भी मौके पर ही निराकरण हुआ है।कलेक्टर श्री वैद्य की पहल पर 80 वर्षीय असहाय भोलाप्रसाद राय को वृद्धाश्रम का सहारा मिला है। वृद्ध आवेदक श्री राय ने जनसुनवाई में आवेदन देकर उनकी देखभाल के लिए वृद्धाश्रम पहुंचाए जाने की समस्या से अवगत कराया था। जिस पर त्वरित निराकरण की पहल करते हुए वृद्ध आवेदक भोला प्रसाद राय को वृद्धाश्रम पहुंचाया गया है। वृद्ध आवेदक भोला प्रसाद राय जनसुनवाई कार्यक्रम में लाठी टेकते हुए अपनी समस्या

लेकर पहुंचे थे। जिला प्रशासन के अधिकारियों द्वारा आवेदक को चार पहिया वाहन के माध्यम से विदिशा के श्री हरि वृद्ध आश्रम पहुंचने के प्रबंध सुनिश्चित किए गए और आवेदक को वृद्धाश्रम की टीम को सौंपा है। आवेदक ने स्वयं की समस्या का त्वरित निराकरण हो जाने पर खुशी जाहिर की है।

मस्टर पर कार्यरत कर्मचारी नपा के खजाने में लगा रहे हैं सेंध!

सिरोंज। स्थानीय नगरपालिका में वर्षो से मस्टर पर कार्यरत कर्मचारियों द्वारा खजाने को खाली करने के लिए सेंधमारी की जा रही है। जल प्रदाय, राजस्व शाखा और निर्माण शाखा में मस्टर पर कई कार्यरत कर्मचारी ऐसे है जो कर्मचारी तो नगरपालिका के है पर कार्य अन्य लोगों के घर पर करते देखे जाते है और वेतन नगरपालिका नग लेते है । नगरपालिका में कई सीएमओ आए और चले गए पर इनसे नगरपालिका में काम नही करा सकें। पिछले तीन परिषद कार्यकाल से यह ज्यादातर देखने में आता रहता है कि नपा के मस्टर पर कार्य करने वाले कर्मचारी किसी न किसी दबंग नेता या फिर अन्य किसी दंबग के यहां कार्य करतक रहते है। स्थानीय बड़े अधिकारी, प्रतिनिधि भी यह सब देखते हुए भी कुछ नही करते है यानि नपा के खजाने को खाली करने और सेंधमारी में इनका भी सहयोग बना रहता है।

नवागत सीएमओ से की अपील रू नवागत नगरपालिका सीएमओ से नगर के नागरिकों ने अपील की है कि नगरपालिका कर्मचारियों और मस्टर पर कार्यरत कर्मचारियों एक बैठक आयोजित करें और इनका और यह कहां कार्य कर रहे है का एक रजिस्टर तैयार किया जाए ताकि समय समय पर इनके कार्यो का अवलोकन किया जा सके साथ ही किस विभाग के मस्टर पर और कहां कार्य कर रहे है । इसका भी ध्यान रखना अनिवार्य है, तभी कहीं व्यर्थ की जाती तनख्वाह को रोका जा सकता है।

मेट्रो एंकर | समर्थन मूल्य पर मूंग उपार्जन के लिए खरीदी केंद्र निर्धारित

उपार्जन केन्द्रों पर समुचित भौतिक व्यवस्था, हाई स्पीड इंटरनेट कनेक्शन एवं निर्बाध विधुत जनरेटर सुविधा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर बुद्धेश कुमार वैद्य ने विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर ग्रीष्मकालीन फसल मूंग उपार्जन नीति के परिपालन में कृषकों से समर्थन मूल्य पर उपार्जन किए जाने हेतु जिला उपार्जन समिति की अनुशंसा अनुसार विकासखंड स्तर पर खरीदी केंद्र निर्धारण करने का आदेश जारी कर दिया है।

कलेक्टर ने आदेश जारी कर विकासखंड स्तर पर जो खरीदी केंद्र निर्धारित किए गए हैं उनमें विदिशा विकासखंड के लिए विपणन सहकारी समिति मर्यादित विदिशा की एमपीडब्ल्यूएलसी मंडी परिसर विदिशा, बासौदा विकासखंड के लिए विपणन सहकारी समिति मर्यादित गंजबासौदा की एमपीडब्ल्यूएलसी ग्राम बंजारी माता परिसर बरेठ रोड गंज बासौदा, नटेरन विकासखंड के लिए विपणन सहकारी समिति मर्यादित नटेरन (शमशाबाद) एमपीडब्ल्यूएलसी शमशाबाद, कुरवाई विकासखंड के लिए विपणन सहकारी समिति मर्यादित की एमपीडब्ल्यूएलसी कुरवाई तथा ग्यारसपुर विकासखंड के लिए विपणन सहकारी समिति मर्यादित की विदिशा एमपीडब्ल्यूएलसी मंडी परिसर गुलाबगंज शामिल हैं।

औसत अच्छी गुणवत्ता (एफएक्यू) के ग्रीष्मकालीन फसल मूंग का निर्धारित समर्थन मूल्य रू 8558/- प्रति क्विंटल की दर से 31 जुलाई 2024 तक

खरीदी की जाएगी। जिले में मूंग की उत्पादकता 100 कि.ग्रा. (10 क्विंटल) प्रति हेक्टयर निर्धारित की गई है।

कृषकों से उपार्जन सप्ताह में 5 दिवस (सोमवार से शुक्रवार) प्रातः 8 बजे से शाम 8 बजे तक किया जाएगा। शनिवार एवं रविवार को सप्ताह मे शेष स्कन्ध का परिवहन, भण्डारण, लेखा का मिलान तथा अस्वीकृत स्कंध का अपग्रेडेशन ध् वापसी का निराकरण किया जाएगा। प्रत्येक उपार्जन केन्द्र पर प्रतिदिन न्यूनतम 100 क्विंटल उपज की तौल हेतु 04 तौल कांटे आवश्यक रूप से लगाये जाएंगे। गोदाम स्तरीय उपार्जन केन्द्रों पर नाफेर्ड द्वारा योग्यताधारी सर्वेयर खरीदी अवधि तक रखे जाएगें।

सभी उपार्जन केन्द्रों पर समूचित भौतिक व्यवस्था - हाई स्पीड इंटरनेट कनेक्शन एवं निर्बाध विधुत जनरेटर सुविधा। इलेक्ट्रानिक उपकरण दृ कम्प्यूटर, प्रिंटर, डोंगल, स्केनर, यूपीएस, लेपटाप, बैट्री। जनसुविधा- दरियां, टेबल, कुर्सी, पेयजल, शौचालय, छाया, बिजली आदि। उपार्जन उपकरण (केलिब्रेटेड), बडा छन्ना, पंखे, परखी आदि। सूचना पटन, उपार्जन बैनर तथा सामान्य जानकारी एफएक्यू सेंपल एफएक्यू गुणवत्ता का मापदंड, भुगतान एवं टोल-फ्री नंबर का प्रदर्शन सभी उपार्जन केन्द्रों पर सूचना प्रदर्शन में एक रूपता लाने के लिए उपार्जन एजेन्सी द्वारा प्रारूप जिले को प्रेषित किये जाएगें। सुरक्षात्मक सुविधाएं- तिरपाल, कवर, अग्निशमन यंत्र, रेत, बाल्टियां, आदि। ग्रीष्मकालीन मूंग उपार्जन हेतु कृषक स्वयं ही स्लॉट बुक कर उपज का विक्रय कर सकेगा।? ई-उपार्जन पोर्टल पर पंजीकृत ध् सत्यापित कृषकों द्वारा स्वयं के मोबाईल, एम.पी. ऑनलाईन, सी.एस.सी., ग्राम पंचायत, लोकसेवा केन्द्र, इंटरनेट कैफे, उपार्जन केन्द्र से स्लॉट बुकिंग की जा सकेगी। कृषक द्वारा विक्रय की जाने वाली संपूर्ण उपज की स्लॉट बुकिंग एक समय में ही करनी होगी आंशिक स्लॉट बुकिंग, आंशिक विकय नही किया जा सकेगा। कृषक द्वारा उपज विक्रय हेतु स्लॉट बुकिंग उपार्जन के अंतिम 10 दिवस को छोड़कर की जा सकेगी एवं स्लॉट की वैधता अवधि 05 कार्य दिवस होगी।

जूड बेलिंघम और हैरी केन के गोल से क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड

यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप

गेलसेनकिरचेन (जर्मनी), एजेंसी

जूड बेलिंघम के स्टॉपेज टाइम में किए गोल की बदौलत इंग्लैंड ने स्लोवाकिया को 2-1 से हराया और यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। इवान शरांज के 25वें मिनट में किए गोल से स्लोवाकिया ने बढ़त बना ली और इंग्लैंड के खिलाफ स्टापेज टाइम तक बढ़त बनाए रखने में कामयाब रही। ऐसा लग रहा था कि इंग्लैंड सबसे बड़े उलटफेर का शिकार न हो जाए, लेकिन जूड ने स्टापेज टाइम में बराबरी का और हैरी केन ने विजयी गोल दाग 1966 के बाद पहले बड़े खिताबी जीत की इंग्लैंड की उम्मीदों को कायम रखा। वहीं इक्वाडोर ने स्टापेज टाइम में पेनल्टी शॉट का बचाव कर मैक्सिको से गोल रहित ड्रॉ खेला और कोपा अमरीका के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। अब इक्वाडोर का सामना गुरुवार को ग्रुप-ए की विजेता अर्जेंटीना से होगा। मैक्सिको अपने पिछले पांच कोपा अमरीका मुकाबले में चौथी बार ग्रुप चरण से आगे नहीं बढ़ सका है। टीम को दो साल पहले कतर में विश्व कप के पहले दौर से बाहर होना पड़ा था।

इधर, स्पेन ने जार्जिया को 4-1 से दी मात, अंतिम-8 में जर्मनी से भिड़ंत

शुरुआती आत्मघाती गोल से उबरते हुए स्पेन ने यूरो कप 2024 के राउंड ऑफ 16 में जॉर्जिया को 4-1 हराया और क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। स्पेन के रॉबिन ले नोरमांड ने 18वें मिनट में आत्मघाती गोल दाग जार्जिया को बढ़त दिला दी। लेकिन मैनचेस्टर सिटी के मिडफील्डर रॉड्री ने मध्यांतर से छह मिनट पहले और फेबियन रुइज ने 51वें मिनट में गोल कर स्पेन को मुकाबले में लौटाया। निको विलियम्स ने 75वें और डानी ओल्मो ने 83वें मिनट में स्पेन के लिए गोल किए। स्पेन अब यूरो शुक्रवार को स्टटगार्ट में क्वार्टर-फाइनल में मेजबान जर्मनी से भिड़ेगा।

5 मैचों की सीरीज 6 जुलाई से

नईदिल्ली, एजेंसी

जिम्बाब्वे के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज के लिए टीम इंडिया मुंबई से रवाना हुई। भारत को जिम्बाब्वे दौरे पर पांच मैचों की टी-20 सीरीज खेलनी है। सीरीज का पहला मुकाबला 6 जुलाई को हरारे में खेला जाएगा। बीसीसीआई ने टी-20 वर्ल्ड कप के बीच जिम्बाब्वे सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान किया था। टीम का कप्तान शुभमन गिल को बनाया गया है। टी-20 वर्ल्ड कप खेलने गई टीम के कुछ खिलाड़ी भी इस टीम में शामिल हैं। हालांकि, वह इस वक्त बारबाडोस में तूफान की वजह से फंसे हैं, लेकिन बाकी जो खिलाड़ी भारत में ही थे वह हेड कोच वीवीएस लक्ष्मण (सिर्फ इस टूर के लिए) के साथ जिम्बाब्वे के लिए रवाना हो गए। बीसीसीआई ने अपने ऑफिशियल ट्विटर अकाउंट पर टीम की रवाना होने की कुछ फोटोज भी शेयर की हैं। बारबाडोस में फंसे खिलाड़ियों में यशस्वी जायसवाल, शिवम दुबे और संजू सैमसन शामिल हैं। ये खिलाड़ी भारत आने के बाद जिम्बाब्वे जाएंगे।

टीम इंडिया टी-20 सीरीज के लिए जिम्बाब्वे रवाना

बीसीसीआई ने अपने ऑफिशियल ट्विटर अकाउंट पर टीम की रवाना होने की कुछ फोटोज भी शेयर की हैं।

टी-20 के लिए 3 नए खिलाड़ी शामिल

टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद टीम इंडिया के कुछ प्लेयर्स को जिम्बाब्वे दौरे के लिए भी जाना है, लेकिन बारबाडोस में आए तूफान के कारण टीम वहां फंस गई है, इसलिए बीसीसीआई ने जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले 2 टी-20 के लिए 3 नए प्लेयर्स को रिप्लेसमेंट के तौर पर भेजा है। ओपनर साई सुदर्शन , विकेटकीपर जितेश शर्मा और पेसर हर्षित राणा को संजू सैमसन, शिवम दुबे और यशश्वी जायसवाल के रिप्लेसमेंट के लिए चुना गया है।

अब तक सीरीज नहीं जीती है टीम

जिम्बाब्वे की टीम भारत से टी-20 सीरीज अब तक नहीं जीत सकी है। दोनों के बीच अब तक 3 द्विपक्षीय सीरीज खेली गई हैं और तीनों ही भारतीय टीम ने जीती हैं। भारतीय टीम ने 2022 में आखिरी बार जिम्बाब्वे का दौरा किया था। इस दौरान टीम ने 3 वनडे मैचों की सीरीज खेली थी। टीम ने तीनों मैच जीतकर सीरीज पर 3-0 से कब्जा जमाया था। आखिरी टी-20 सीरीज भारत ने जिम्बाब्वे ने 2016 में खेली थी, जहां टीम इंडिया 2-1 से जीती थी।

आइओए अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा...

एशियन गेम्स में योग को शामिल करना उपलब्धि

नईदिल्ली, एजेंसी

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने एशियन गेम्स के कार्यक्रम में योग को शामिल करने के उनके प्रस्ताव पर सहमति जताने के लिए एशियाई ओलंपिक परिषद के कार्यकारी बोर्ड (ईबी) को धन्यवाद दिया है। मुझे खुशी है कि ओसीए कार्यकारी बोर्ड ने योग को वह मान्यता देने के भारत के अनुरोध पर सहमति व्यक्त की। प्रस्ताव अब खेल समिति के माध्यम से पुष्टि के लिए महासभा में जाएगा।÷ पीटी उषा ने कहा कि प्रतिस्पर्धी खेल समुदाय के लिए योग को अपनाना एक स्वाभाविक कदम था। उन्होंने इसे महत्त्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

जियो के 395 और 1559 वाले प्लान बंद, आज से महंगे हो जाएंगे रिचार्ज

मेट्रो बाजार

नईदिल्ली, एजेंसी

रिलायंस जियो ने टैरिफ की दरों में 25 फीसदी इजाफा करने के बाद अपने दो किफायती रिचार्ज प्लान- 395 रुपए और 1559 रुपए को बंद कर दिया है। इन दोनों प्लान में 5फीसदी नेटवर्क के साथ एक्सटेंडेड वैलिडिटी मिलती थी। 395 रुपए वाले प्लान में जियो यूजर्स को 6 जीबी डेटा और 84 दिन की वैलिडिटी और 1559 रुपए वाले प्लान में 24 जीबी डेटा और 336 दिनों की वैलिडिटी मिलती थी। बढ़े हुए रिचार्ज रेट्स 3 जुलाई से लागू हो रही हैं, ऐसे में जियो यूजर्स इन दोनों प्लान्स से रिचार्ज कर सस्ते दाम में अपनी वैलिडिटी बढ़ा सकते थे। इससे कंपनी की कमाई कम हो सकती थी। जियो के अलावा, एयरलेट और वोडाफोन-आइडिया ने भी अपने टैरिफ दरों में बढ़ोतरी का ऐलान किया है। दोनों कंपनियों ने 21 फीसदी तक कीमतें बढ़ाने की घोषणा की है। जियो और एयरटेल की बढ़ी हुई दरें 3 जुलाई से लागू होंगी, जबकि नए रेट्स 4 जुलाई से प्रभावी हो जाएंगे। जियो, एयरटेल और वोडाफोन-आईडिया तीनों कंपनियों ने अपने रिचार्ज प्लान महंगे कर दिए हैं। इसमें से जियो और एयरटेल के रिचार्ज प्लान की नई कीमतें 3 जुलाई और वोडाफोन-आईडिया की नई दरें 4 जुलाई से लागू होंगी। ऐसे में अगर आप इन तारीखों से पहले रिचार्ज करते हैं तो 600 रुपए तक बचा सकते हैं। दरअसल, जियो और एयरटेल का 2999 रुपए वाला प्लान बढ़कर 3599 रुपए का हो जाएगा। वहीं, वोडाफोन-आइडिया का 2899 रुपए वाला प्लान 3499 रुपए का हो जाएगा। कीमत बढ़ने से पहले अगर आप 365 दिन यानी 1 साल की वैलिडिटी के साथ आने वाले ये रिचार्ज करते हैं तो 600 रुपए

आयुर्वेद का 'होम एंड पर्सनल केयर' बिजनेस खरीदेगी पतंजलि फूड्स

नईदिल्ली, एजेंसी

पतंजलि फूड्स लिमिटेड के बोर्ड ने अपनी पेरेंट कंपनी पतंजलि आयुर्वेद के होम एंड पर्सनल केयर बिजनेस को खरीदने के प्रपोजल को मंजूरी दे दी है। इस बिजनेस को खरीदने के लिए पतंजलि फूड्स लंपसम वैल्यूएशन पर 1,100 करोड़ रुपए खर्च करेगी। पतंजलि फूड्स लिडिंग स्वस्थ्त कंपनी बनना चाहती है, इसलिए यह अधिग्रहण कर रही है। पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड के होम एंड पर्सनल केयर बिजनेस की वर्तमान में भारत के FMCG स्पेस में एक मजबूत ब्रांड इक्विटी है। इसके अलावा देश भर में इसका एक लॉयल कंज्यूमर बेस है। कारोबार बंद होने पर पतंजलि फूड्स लिमिटेड का शेयर 7.45 फीसदी की तेजी के साथ 1,710 रुपए पर बंद हुआ। इसके साथ ही कंपनी का मार्केट कैप 58.54 हजार करोड़ रुपए हो गया है। बीते एक साल में कंपनी के शेयर ने अपने निवेशकों को 43.49 फीसदी रिटर्न दिया है। पतंजलि फूड्स ने कहा कि कंपनी और पतंजलि आयुर्वेद के बीच 3 फीसदी टर्नओवर बेस्ड फीस के साथ-साथ अन्य शर्तों के लिए 20 साल के लाइसेंसिंग एग्रिमेंट पर सहमति बनी है। इस अधिग्रहण से पतंजलि ब्रांड के प्रोडक्ट पोर्टफोलियो का एकीकरण होगा। कंपनी ने यह भी बताया है कि सेक्टर में एक मेजर प्लेयर बनने की जर्नी में यह एक बड़ा कदम है। कंपनी ने अपने पहले के समय अपने शेयरधारकों से यह कमिटमेंट किया था।

कड़े संघर्ष के बाद अल्कारेज दूसरे दौर में पहुंचे

टेनिस: विम्बलडन में पांच साल बाद ओसाका की जीत से वापसी

लंदन, एजेंसी

तीसरी वरीयता प्राप्त कार्लोस अल्कारेज को विम्बलडन के पहले दौर के पुरुष एकल मैच में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। हालांकि अल्कारेज ने दो घंटे 22 मिनट तक चले मुकाबले में एस्टोनिया के मार्क लाजल को 7-6, 7-5, 6-2 से हराया और दूसरे दौर में प्रवेश किया। अल्काराज ने कहा कि उसने मुझे थोड़ा आश्चर्यचकित कर दिया था क्योंकि मैंने उसे बहुत अधिक खेलते हुए नहीं देखा था। पांच साल तक विम्बलडन से दूर रहने के बाद पूर्व विश्व नंबर-एक जापान की नाओमी ओसाका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई। बेलारूस की

महिला टेनिस खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने कंधे की चोट के कारण विम्बलडन से अपना नाम वापस ले लिया।

स्पेन के लटासा को हराया

विश्वनाथन आनंद ने 10वीं बार जीता लियोन मास्टर्स खिताब

लियोन, एजेंसी

पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए यहां फाइनल में स्पेन के जैमे सैंटोस लटासा को 3-1 से हराया और 10वीं बार लियोन मास्टर्स का खिताब अपने नाम किया। 54 वर्षीय आनंद ने एक बार फिर साबित कर दिया कि यह उनके पसंदीदा प्रतियोगिताओं में से एक हैं। आनंद ने 28 साल पहले 1996 में यहां अपना पहला खिताब जीता था। इससे पहले शुरुआती सेमीफाइनल में टोपालोव के खिलाफ विश्वनाथ आनंद ने तीसरे गेम में जीत दर्ज की जबकि तीन गेम बराबरी पर छूटे।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

पूजा के साथ ब्रेकअप पर रणवीर ने कहा मेरे जीवन का सबसे बड़ा घोटाला हुआ

अभिनेता रणवीर शौरी इन दिनों बिग बॉस ओटीटी 3 में नजर आ रहे हैं। शो में वह अपनी पर्सनल लाइफ से जुड़ी बातें करते हुए नजर आ रहे हैं। शो के नए एपिसोड में रणवीर ने अभिनेत्री पूजा भट्ट के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात की। रणवीर एक समय पर महेश भट्ट की बेटी और अभिनेत्री पूजा भट्ट के साथ रिलेशनशिप में थे। बाद में किसी कारण दोनों अलग हो गए थे। रणवीर शौरी ने हाल ही में अपनी मां के निधन के बारे में भी खुलकर बात की। रणवीर शौरी ने याद किया कि जब वह 2002 में लद्दाख में अपनी फिल्म लक्ष्य की शूटिंग कर रहे थे, तो उन्हें घर से फोन आया कि उनकी मां की तबीयत ठीक नहीं है। हालांकि, वह शूटिंग खत्म होने तक सेट से बाहर नहीं जा सकते थे। ऐसे में जब वह मुंबई लौटे तो उनकी मां को अस्पताल से छुट्टी मिल चुकी थी। उन्होंने याद किया कि उस दौरान वह एक अभिनेत्री के साथ अपने जीवन के सबसे बड़े स्कैंडल में फंस गए थे। हालांकि, इस दौरान उन्होंने पूजा भट्ट का नाम नहीं लिया। उन्होंने कहा, इसी दौरान मुझे एक अन्य अभिनेत्री के साथ अपने जीवन का सबसे बड़ा घोटाला भी झेलना पड़ा। मैं इससे निपटने में असमर्थ था, मेरे भाई ने मुझे कुछ समय के लिए अपने साथ अमेरिका आने के लिए कहा। मैंने अमेरिका में छह महीने का एक्टिंग कोर्स किया और अपने भाई से पैसे उधार लिए। अमेरिका से लौटने के बाद मैंने 2005 में द ग्रेट इंडियन कॉमेडी शो की शूटिंग शुरू की। शौरी ने आगे कहा, उस समय मेरी दो लंबे समय से अटकी हुई फिल्मों को रिलीज के लिए हरी झंडी मिल गई थीं और एक हफ्ते के भीतर ही वे लगातार सिनेमाघरों में आ गईं और मेरे काम को दर्शकों ने पसंद किया। उन फिल्मों के बाद, मुझे आखिरकार लगा कि एक अभिनेता के तौर पर मेरी जिंदगी स्थिर हो गई है और मैं सफल हो गया हूं। रणवीर शौरी से अलग होने के बाद पूजा भट्ट को मनीष मखीजा से प्यार हो गया, जिन्हें उधम सिंह के नाम से भी जाना जाता है। दोनों ने 2003 में शादी की, लेकिन 2014 में दोनों अलग हो गए थे। वहीं, रणवीर शौरी ने 2010 में अभिनेत्री कोंकणा सेन शर्मा से शादी की। उन्होंने 2011 में अपने बेटे हारून का स्वागत किया। इन दोनों का रिश्ता भी 2015 में खत्म हो गया। अब दोनों साथ में मिलकर अपने बेटे की परवरिश कर रहे हैं।

फिल्म विरासत के डायरेक्टर ने तब्बू पर नारियल तेल की पूरी बोतल डाल दी थी

मशहूर अभिनेत्री तब्बू इन दिनों अपनी आगामी फिल्म औरों में कहां दम था को लेकर चर्चा में हैं। इस दौरान उन्होंने साल 1997 में रिलीज हुई फिल्म विरासत को लेकर एक मजेदार किस्सा साझा किया है। तब्बू हिंदी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री हैं। उन्होंने अपने करियर में कई सुपरहिट फिल्में की हैं। उन्होंने साल 1985 में रिलीज हुई फिल्म हम नौजवान से अपने करियर की शुरूआत की थी। इसके बाद उन्होंने माचिस, चांदनी बार, हैदर, अंधाधुन जैसी कई फिल्मों में शानदार अभिनय कर तारीफें हासिल कीं। वह अपने अभिनय से लगातार दर्शकों का मनोरंजन करती रही हैं। एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने साल 1997 की फिल्म विरासत की शूटिंग का जिक्र किया। उन्होंने कहा इस फिल्म के निर्देशक प्रियदर्शन ने उनका सही लुक पाने के लिए उनके सर पर नारियल तेल की पूरी बोतल डाल दी थी। अभिनेत्री ने कहा कि प्रियदर्शन चाहते थे कि उनके बालों में तेल साफ दिखे और वह ग्रामीण महिला के लुक में नजर आएं। जब वह सेट पर गई तो प्रियदर्शन ने देखा कि उन्होंने कम तेल लगाए थे, जिसके बाद उन्होंने चुपके से नारियल तेल की पूरी बोतल उनके सर पर डाल दी।

कई बार साथ नजर आ चुकी है अजय-तब्बू की जोड़ी: औरों में कहां दम था में तब्बू के अलावा अजय देवगन, शांतनु माहेश्वरी और सई मांजरेकर प्रमुख भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म में साल 2002 से 2023 तक के बीच 20 साल की अवधि की एक रोमांटिक कहानी दिखाई जाएगी, जिसमें काफी शानदार संगीत भी होगा। फिल्म 5 जुलाई 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। बताते चलें कि इससे पहले भी अजय और तब्बू कई फिल्मों में एक साथ नजर आ चुके हैं। ये दोनों कलाकार विजयपथ, हकीकत, थक्षक, फितूर, दृश्यम, गोलमाल अगेन, दे दे प्यार दे, दृश्यम 2 और भोला जैसी फिल्मों में साथ नजर आ चुके हैं। विरासत साल 1997 में रिलीज हुई एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन प्रियदर्शन ने किया है। जिसकी कहानी कमल हासन द्वारा लिखी गई थी। विरासत में अनिल कपूर, तब्बू, पूजा बत्रा , अमरीश पुरी आदि कलाकार नजर आए थे।

'वीर जारा' में अपने किरदार को लेकर कंफ्यूज थीं दिव्या

दिव्या दत्ता को 'वीर जारा' के बाद एक अलग पहचान मिली थी। पुराने दिनों को याद करते हुए अभिनेत्री कहती हैं, मुझे अच्छी तरह से याद है यश जी के सामने किसी ने उनसे पूछा था आपको ये लड़की कहां से मिली। क्या कोई नई अभिनेत्री है। तब तक मुझे इंडस्ट्री में सात साल हो गए थे। दिव्या दत्ता इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई हैं। वे 'शर्मा जी बेटी' में अहम भूमिका निभाती नजर आ रही हैं। दिव्या अपनी पिछली फिल्मों की तरह ही इस फिल्म में भी शानदार अभिनय आकृति नजर आ रही हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने एक इंटरव्यू दिया जिसमें वे यश चोपड़ा की फिल्म 'वीर जारा' के बारे खुलकर बातें करती नजर आईं। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री के बारे में भी कई खुलासे किए।

टाइपकास्ट होने का डर था

दिव्या दत्ता जिस भी किरदार को निभाती हैं वह किरदार दर्शकों ने दिलों-दिमाग पर छा जाता है। अभिनेत्री ने बॉलीवुड की कई हिट फिल्मों में काम किया है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने कहा, जब मुझे वीर जारा ऑफर किया गया था तब मैं थोड़ी कंफ्यूज थी। मुझे लग रहा था कि इस फिल्म में मैं मुख्य अभिनेत्री की सहेली की भूमिका निभाने जा रही हूं तो कहीं ऐसा न हो कि भविष्य में मुझे सिर्फ हीरोइन की सहेली की भूमिकाएं ही मिले। मैं टाइपकास्ट होने से डर रही थी। दिव्या दत्ता कहती हैं, मैं अपनी मां के संग इस फिल्म को देखने गई थी। उन्होंने इस फिल्म को देखने के बाद मुझे गले से लगाते हुए कहा कि उन्हें मुझ पर गर्व है। फिल्म के खत्म होने के बाद मैं चुपचाप वहां से निकल जाना चाहती थी। मेरा सपना था कि मैं यश चोपड़ा के संग किसी फिल्म में काम करूं और वह सपना पूरा हुआ था। फिल्म के प्रीमियर के दौरान यश जी ने मुझे मंच पर बुलाया था।

इरफान खान के साथ काम करने का मौका मिला

दिव्या को 'वीर जारा' के बाद एक अलग पहचान मिली थी। पुराने दिनों को याद करते हुए कहा मुझे अच्छी तरह से याद है यश जी के सामने किसी ने उनसे पूछा था आपको ये लड़की कहां से मिली। क्या कोई नई अभिनेत्री है।तब तक मुझे इंडस्ट्री में सात साल हो गए थे। इस फिल्म ने मुझे पहचान दिलाई थी। वीर जारा के बाद मैंने आजा नचले में काम किया था। इस फील में मेरे हीरो इरफान खान थे। उनके साथ काम करने के लिए ही आजा नचले के लिए ही मैंने हां कहा था।

सेना के लांस नायक के बैग से एयरपोर्ट पर मिला इंसास का कारतूस

गांधी नगर पुलिस ने दर्ज किया आर्म्स एक्ट का प्रकरण

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजाभोज विमानतल पर मंगलवार सुबह स्क्रीनिंग के दौरान सेना के लांस नायक के बैग से इंसास रायफल का कारतूस मिलने से सनसनी फैल गई। पूछताछ में पता चला कि ट्रेनिंग के दौरान लांस नायक को कारतूस पड़ा मिला था। उन्होंने उसे अपने बैग में पटक लिया था। गांधी नगर पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक मूलरूप से इछावर जिला सीहोर निवासी भोपाल सिंह पुत्र बनप सिंह (26) सेना में लांस नायक हैं। उनकी पोस्टिंग श्रीनगर में हुई है। मंगलवार दो जुलाई की सुबह करीब साड़े 8 बजे वह मुंबई जाने के लिए एयरपोर्ट पहुंचे थे। मुंबई से उन्हें श्रीनगर के लिए रवाना होना था। इस बीच राजाभोज विमानतल पर स्क्रीनिंग के दौरान उनके बैग से इंसास रायफल का कारतूस बरामद हुआ। सीआईएसएफ ने गांधी नगर पुलिस को सूचना दी थी। पूछताछ के दौरान भोपाल सिंह ने बताया कि ट्रेनिंग के दौरान उन्हें कारतूस कहीं पड़ा मिला था। उस समय कारतूस बैग में रखकर वह भूल गए थे।

बाइक सवार लुटेरों ने इवनिंग वॉक से लौट रहे युवक का मोबाइल झपटा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शाहपुरा थाना क्षेत्र स्थित मोगली अपार्टमेंट के पास कल शाम बाइक सवार लुटेरों ने एक युवक का मोबाइल झपट लिया। पुलिस ने लूट का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस क अनुसार अल्केश नवलक्खे (52) ब्लू स्काई कॉलोनी, आकृति इकोसिटी में रहते हैं और प्राइवेट कंपनी में नौकरी करते हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि मंगलवा शाम वह नहर की तरफ से पैदल घूमते हुए अपने घर की तरफ जा रहे थे। उनके हाथ में मोबाइल था और वह मैसेज चेक कर रहे थे। मोगली अपार्टमेंट शाहपुरा के पास पहुंचते ही पीछे से आई बाइक पर लुटेरे ने उनके हाथ से मोबाइल झपट लिया। वे कुछ समझ पाते इससे पहले ही लुटेरे तेजी से बाइक चलाते हुए भाग निकले। घटना शाम करीब 7 बजे के आसपास की बताई जा रही है। उन्होंने घटना की शिकायत तत्काल शाहपुरा थाना पहुंचकर की थी। पुलिस ने लूट का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

नया कानून: करुणा के साथ देंगे न्याय

अब विचाराधीन कैदियों को गलतियां सुधारने का मौका

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय न्याय संहिता कानून में पहली बार के अपराधियों के बारे में बदलाव किया गया है। इसमें न्याय के लिए पुनर्वास और करुणा पर जोर दिया गया है। पहली बार के अपराधियों के लिए न्यूनतम सजा कम की गई है, वहीं पहली बार के विचाराधीन कैदियों के लिए उदार जमानत स्वीकार की गई है, जिसमें गलतियों को सुधारने का मौका दिया है। छोटी चोरी जैसे छोटे अपराधों के लिए बीएनएस 2023 के तहत यदि किसी व्यक्ति के खिलाफ पहले से कोई अपराध नहीं है तो उनके प्रति सहानुभूति दिखाते हुए उन्हें दंड के रूप में सामुदायिक सेवा करवाई जाएगी। पहली बार के अपराधियों के लिए कई धाराओं के माध्यम से कई विचार रखे गए हैं। सामुदायिक सेवा और परामर्श जैसी सजाओं का प्रावधान किया गया है। जिसमें ऐसे अपराधियों को जेल न भेजकर कानूनी प्रावधान के तहत व्यक्तिगत विकास और सामाजिक पुर्नएकीकरण को बढ़ावा दिया गया।

बिगड़ गया था मानसिक संतुलन, भदभदा पुल पर एक्टिवा खड़ी कर चाबी में लगाई थी, मोबाइल नंबर की पर्ची

बीमारी से परेशान कृषि विभाग कर्मचारी ने तालाब में कूदकर दी जान

भोपाल, दोपहर मेट्रो। रातीबड़ थाना क्षेत्र स्थित भदभदा पुल से रविवार सुबह तालाब में छलांग लगाकर आत्महत्या करने वाला कृषि विभाग के कर्मचारी का मानसिक संतुलन बिगड़ा हुआ था। उसका मनोचिकित्सक के पास इलाज चल रहा था। इस बात का खुलासा परिजन से हुई बातचीत और घर से मिले डॉक्टर के पर्चे से हुआ है। परिजन ने जिला रीवा के गांव में अंतिम संस्कार कर दिया है।

पुलिस के मुताबिक रविवार 30 जून की सुबह करीब साड़े 8 बजे भदभदा पुलिया पर कुछ लोगों ने एक एक्टिवा गाड़ी खड़ी देखी थी। गाड़ी में चाबी का गुच्छा भी लगा था। गुच्छे के बीच एक कागज में एक मोबाइल नंबर लिखा था। गाड़ी में चाबी लगी होने से अनहोनी की आशंका हुई। लोगों ने परची पर लिखे नंबर के आधार पर अवधपुरी में रहने वाले हरीश पटेल से बात की।

हरीश पटेल भदभदा पुल पहुंच गए थे। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई थी। गोताखोरों की मदद से तालाब में सर्चिंग की गई। सर्चिंग में एक युवक की लाश पानी से बरामद हुई। हरीश पटेल ने लाश की शिनाख्त कर ली। उसने बताया कि यह लाश विवेक सिंह पुत्र स्व. एपी सिंह (34) निवासी साक्षी ढाबा के पीछे क्वार्टर रातीबड़ की है। हरीश पटेल ने पुलिस को बताया था कि विवेक सिंह को पिता की जगहर अनुकंपा नियुक्ति मिली थी। वह साक्षी ढाबा के पीछे बने कंपनी के क्वार्टर में अपनी पत्नी व दो बच्चों के साथ रहता था। पुलिस को मृतक के पास अथवा उसके घर से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। लेकिन सर्चिंग में मिले मेडिकल परचों व परिजनों से हुई बात से पता चला कि विवेक सिंह का मानसिक संतुलन कुछ दिन से बिगड़ गया था। उसका इलाज भी चल रहा था। पत्नी के बयान दर्ज नहीं हो सके हैं। पुलिस का कहना है कि परिजनों व घटना से जुड़े लोगों के विस्तृत बयान दर्ज होने के बाद ही कारण सामने आ सकेंगे।

महिला जहर खाकर दी जान

गांधी नगर थाना क्षेत्र स्थित आईटी पार्क में रहने वाली एक महिला ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार मधु गौर पति जितेंद्र गौर (30) बी-17, कूलर फैक्ट्री आईटी पार्क में रहती थी। वह गृहणी थी, जबकि पति प्राइवेट काम करते हैं। पुलिस को परिजन ने बताया कि मधु गौर मंगलवार सुबह उल्टियां कर रही थी। उससे उल्टी करने का कारण पूछा तो उसने बताया कि जहर खा लिया है। यह बात सुनते ही उसे जहर खा लिया है। उसे निजी अस्पताल ले जाया गया था, वहां करीब एक घंटे चले इलाज के बाद डॉक्टर ने मधु को मृत घोषित कर दिया। पुलिस का कहना है कि शोकाकुल परिजन के अभी बयान नहीं हो सके हैं। परिजन के बयान होने के बाद ही आत्महत्या के कारण स्पष्ट हो सकेंगे।

दो अपहृत बालिकाएं बरामद, मानव तस्करी करने वाले तीन आरोपी हुए गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बागसेवनिया पुलिस ने दो अपहृत बालिकाओं को झालावाड़ राजस्थान से मानव तस्करों से रेस्क्यू कर दो महिलाओं सहित एक तस्कर को गिरतार किया है। रमा बनकीरा निवासी बागमुगालिया ने थाने में 28 जून को दो नाबालिग बच्चियों के गुम होने की शिकायत दर्ज कराई थी।

26 जून को सुबह 8.30 बजे घर से इंदौर दोस्त की शादी में जाने का कहकर गई थी, जो अब तक नहीं लौटी है। 28 जून को रेखा मस्के निवासी बागमुगालिया ने भी बेटी के 26 जून को सुबह 10 बजे घर से इंदौर दोस्त की शादी में जाने और अब तक नहीं लौटने की शिकायत की थी। नाबालिग ने बताया कि दुर्गालाल ने उसके साथ मारपीट कर शारीरिक शोषण किया। पुलिस ने तस्कर और अपहृता के बताए अनुसार नजमा खान उर्फ रूबी, संगीता हिर्वे को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने बताया कि हम दोनों ने सुनीता ठाकुर और उसके पति के साथ राजस्थान ले जाकर अपहर्ता को तस्कर को बेचा था। सुनीता और राम सिंह फरार है। पुलिस ने ग्राम घाटोली झालावाड़ राजस्थान में तस्कर दुर्गालाल लोधा 22 साल के मकान से बच्चियों को बरामद किया। आरोपी तस्कर दुर्गालाल और बालिका से पूछताछ में पता चला कि भोपाल निवासी नजमा खान उर्फ रूबी (31), संगीता हिर्वे (34) फरार आरोपी सुनीता ठाकुर और उसका पति राम सिंह ठाकुर शादी में इंदौर जाने का प्रलोभन देकर बच्चियों को बहला फुसलाकर झालावाड़ ले गया और एक लाख 55 हजार में तस्कर दुर्गालाल लोधा को बेच दिया था।

महिला समेत दो के खिलाफ प्रकरण दर्ज

प्लाट बेचने के नाम पर रिटायर्ड आर्मी मैन के साथ 21 लाख रुपए की ठगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गांधी नगर पुलिस ने रिटायर्ड आमीमैंन की शिकायत पर आइनोक्स ग्रीन कॉलोनी के मालिक व एक महिला के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया है। महिला ने चार साल पहले तीन प्लाट 25 लाख रुपए में बेचे थे। इस बीच लॉकडाउन के दौरान आरोपी महिला ने तीनों प्लाट किसी और को भी बेच दिए। मामले का खुलासा होने पर आरोपी महिला और कॉलोनी के मालिक ने फरियादी को दो अन्य प्लाट दे दिए थे। लेकिन वह उसकी रजिस्ट्री नहीं करा रहे थे। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक गौतम नगर निवासी इन्द्रजीत कुमार यादव रिटायर्ड आमीमैंन हैं। अगस्त 2020 में उन्होंने महिला नीरज कुमारी गिरि से आइनोक्स ग्रीन कॉलोनी में तीन प्लाट 25 लाख रुपए में खरीदे थे। नीरज कुमारी ने उक्त कॉलोनी में इंफ्रास्ट्रक्चर का काम कराया था। बदले में विजय सिंह ने उन्हें कुछ प्लाट व पैसे दिए थे। उन्हीं में से तीन प्लाट रिटायर्ड आमीमैंन को बेचे थे। अनुबंध होने के बाद फरियादी ने रकम अदा कर दी थी। लेकिन प्लाट की रजिस्ट्री नहीं करा रहे थे। इस बीच इन्द्रजीत यादव को पता चला कि महिला ने तीनों प्लाट किसी और को बेच दिए हैं। उन्होंने जब इसका विरोध किया तो नीरज कुमारी गिरी व विजय सिंह ने उक्त तीन प्लाट के बदले कॉलोनी में दो अन्य प्लाट उन्हें दे दिए थे। इसके अलावा करीब चार लाख रुपए भी लौटा दिए थे। पुलिस ने बताया कि आरोपीगण बाद में दिए दोनों प्लाटों की भी रजिस्ट्री कराने के लिए तैयार नहीं थे।

कार की टक्कर से बाइक सवार युवक हुआ घायल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

रातीबड़ थाना क्षेत्र में अज्ञात कार की टक्कर से बाइक सवार युवक घायल हो गया। पुलिस ने बाइक सवार आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार शुभांग यादव (30) बालाजी नगर नीलबड़ में रहते हैं और सतपुड़ा भवन स्थित उच्च शिक्षा विभाग में नौकरी करते हैं। गत एक जुलाई की रात करीब सवा बारह बजे वह बाइक से अपने घर से रातीबड़ की तरफ जा रहे थे। कलारी के आगे पहुंचे तो रास्ते में काफी अंधेरा था। इसी बीच एक चार पहिया वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे वह सड़क से नीचे गिरकर घायल हो गए और बाइक भी टूट गई। अंधेरा होने के कारण वह कार का नंबर नहीं देख सके। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ एक्सीडेंट का केस दर्ज कर लिया है।

कब्रिस्तान से चंदन चोरी, 11 पेड़ काट ले गए चोर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के दूसरे बड़े झदा कब्रिस्तान से चंदन के पेड़ों की चोरी का मामला सामने आया है। यहां से दो दिनों में 11 पेड़ों की अवैध रूप से कटाई की गई। कुछ पेड़ों की लकड़ी चोर साथ ले गए। कब्रिस्तान कमेटी ने इस मामले में शिकायत दर्ज कराई है। झदा कब्रिस्तान में अभी करीब चंदन के सौ पेड़ हैं। कब्रिस्तान कमेटी के मुताबिक मंगलवार रात कब्रिस्तान के एक हिस्से से छह पेड़ों को काटा गया। बुधवार सुबह कब्रिस्तान पहुंचे लोगों ने इसके बारे में सूचना दी। पता लगा इससे पहले भी 26 जून को यहां से पांच चंदन के पेड़ काटे गए थे। कमेटी के प्रबंधक रिहान गोल्डन ने बताया मामला सामने आने के बाद कमेटी पदाधिकारियों ने जहांगीराबाद थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई थी।

मेट्रो एंकर पुलिस ने एक दर्जन से अधिक कैमरे खंगाले, रेलवे स्टेशन पर नहीं दिखा मूवमेंट

नेहरू नगर चौराहे तक पैदल जाती दिखीं बालिका गृह से भागी चारों नाबालिग

भोपाल, दोपहर मेट्रो। कमला नगर थाना क्षेत्र स्थितनेहरू नगर बालिका गृह से सोमवार सुबह भागीं चारों नाबालिग लड़कियों का अब तक सुराग नहीं लग सका है। पुलिस ने बालिकाओं की खोजबीन के लिए बालिका गृह से लेकर नेहरू नगर चौराहे तक एक दर्जन से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल डाले।

फुटेज में चारों बालिकाएं बालिका गृह से निकलते हुए और फिर नेहरू नगर चौराहे तक पैदल जाते हुए दिखाई दे रही हैं। उसके बाद का मूवमेंट पुलिस को नहीं मिल सका है। पुलिस ने बस स्टैंड व रेलवे स्टेशन पर भी बालिकाओं की तलाश की लेकिन वहां भी उनकी मौजूदगी नजर नहीं आई। पुलिस ने रेलवे स्टेशन के बाहर व भीतर प्लेटफार्म की ओर लगे कैमरों के फुटेज भी खंगाल मारे हैं। एसआई रघुवंशी ने बताया कि इनमें से दो बालिकाएं विदिशा और दो बालिकाएं भोपाल की हैं। उनके घर जाने की संभावना बिलकुल नहीं है। परिजनों से परेशान होकर ही चारों बालिकाओं को बालिका गृह में रखा गया था। भागने वाली दो बालिकाएं अप्रैल 2024 में बालिका गृह में भेजी गई थीं जबकि एक बालिका मार्च 2024 व एक अन्य बालिका का मई 2023 में बालिका गृह में दाखिला कराया गया था। सोमवार एक जुलाई की सुबह चारों नाबालिग लड़कियां बालिका गृह के पीछे वाले कमरे की खिडकी तोडकर भाग निकली थीं। बालिका गृह की अधीक्षक आकांक्षा सिंह तोमर ने कमला नगर थाने में बालिकाओं के लापता होने की लिखित शिकायत दर्ज कराई है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुर भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022